mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-67 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
10 मार्च 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

ईरान बोला- हमारा भविष्य एपस्टीन गैंग तय नहीं करेगी, मुजतबा खामेनेई नए ईरानी सुप्रीम लीडर बने

ट्रम्प ने कहा था- मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुनें

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी और देश का नया सुप्रीम लीडर चुना गया है। उनके नाम का ऐलान ईरानी सरकारी टीवी ने सोमवार तड़के किया।

मुजतबा खामेनेई को लंबे समय से इस पद के प्रमुख दावेदारों में माना जाता रहा था, हालांकि उन्होंने कभी कोई निर्वाचित या औपचारिक सरकारी पद नहीं संभाला है। इस पर ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर कालिबाफ ने ट्रम्प का मजाक उड़ाते हुए कहा कि ईरान का भविष्य जेफ्री एपस्टीन के गिरोह नहीं, बल्कि ईरानी जनता तय करेगी।

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कह चुके हैं कि ईरान उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुने। दूसरी तरफ इजराइल ने धमकी दी थी कि वो खामेनेई के उत्तराधिकारी को भी खत्म कर देंगे। बता दें कि जेफ्री एपस्टीन के यौन अपराधी था, जिसके कई हाई प्रोफाइल लोगों के साथ रिश्ते थे। अमेरिका ने उससे लाखों सीक्रेट दस्तावेज जारी किए हैं, जिनमें डोनाल्ड ट्रम्प का भी नाम है।

तकनीकी खराबी के कारण एक घंटे विमान में फंसे रहे यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर इंडिगो फ्लाइड में तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण उत्तर प्रदेश के सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत सभी पैसेंजर एक घंटे तक विमान में फंसे रहे। एयरपोर्ट के प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अमौसी एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई505 को आज सुबह कोलकाता जाना था, लेकिन तकनीकी खराबी आने की वजह से करीब एक घंटे फ्लाइट लेट हो गई। इस फ्लाइट राज्य सरकार के

दोनों उपमुख्यमंत्री समेत सभी पैसेंजर फंसे रहे। दोनों मुख्यमंत्री पार्टी की बैठक में शामिल होने के लिए कोलकाता जा रहे थे। हालांकि विमान ठीक होने के बाद उसे 8:59 पर रवाना किया गया।

करूर भगदड़ मामला:

अभिनेता विजय से सीबीआई फिर करेगी पूछताछ, समन देकर कहा– मंगलवार को पेश हों

नई दिल्ली, एजेंसी। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय को पूछताछ के लिए मंगलवार को फिर से तलब किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले अभिनेता से 12 और 19 जनवरी को एजेंसी के मुख्यालय में पूछताछ की जा चुकी है। जांच के दौरान सीबीआई को कुछ नए तथ्यों और दस्तावेजों से जुड़ी जानकारी मिली है, जिन पर स्पष्टीकरण लेने के लिए विजय को दोबारा बुलाया गया है।

इसी के मद्देनजर उन्हें एक नया नोटिस जारी किया गया है। यह घटनाक्रम तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई उस दुखद भगदड़ से जुड़ा है, जिसमें अभिनेता विजय की एक रैली के दौरान 41 लोगों की जान चली गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने संभाली जांच

यह मामला मूल रूप से एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा संभाला जा रहा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने इसकी कमान अपने हाथों में ले ली। सीबीआई इस मामले से संबंधित सबूतों को एकत्र करने में जुटी हुई है, ताकि घटना के कारणों और जिम्मेदारियों का पता लगाया जा सके।

न्यायिक निगरानी और निष्पक्ष जांच पर जोर

पिछले साल अक्तूबर में, शीर्ष अदालत ने सीबीआई निदेशक को इस मामले की जांच के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही, पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक पर्यवेक्षी समिति का गठन भी किया गया था, जिसका उद्देश्य सीबीआई की जांच की निगरानी करना है।

जनता के विश्वास को बहाल करने का प्रयास

सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जे के महेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया शामिल थे, ने इस बात पर जोर दिया था कि करूर भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन पर एक गहरी छाप छोड़ी है। अदालत ने कहा था कि इस घटना का नागरिकों के जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है और उन परिवारों के मौलिक अधिकारों को लागू करना अत्यंत महत्वपूर्ण है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। पीठ ने यह भी कहा था कि आपराधिक न्याय प्रणाली में जांच प्रक्रिया में आम जनता के विश्वास और भरोसे को बहाल किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में प्याज–लहसुन को तामसिक मानने की याचिका:

CJI ने पूछा–आधी रात को पिटीशन ड्राफ्ट करते हो क्या; फालतू बताकर 5 याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने 5 पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन(PIL)/जनहित याचिका फाइल की थीं। इनमें से एक कहा गया था कि प्याज और लहसुन में तामसिक या नेगेटिव एनर्जी होती है या नहीं इसके लिए रिसर्च की मांग की गई थी।

इस पर सोमवार को सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया(CJI) सूर्यकांत ने एडवोकेट सचिन गुप्ता को फटकार लगाई।

दिल्ली शराब नीति केस: हाइकोर्ट का सभी 23 आरोपियों को नोटिस

- **सीबीआई अफसर के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक,मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई नहीं करने का आदेश**

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाइकोर्ट ने सोमवार (9 मार्च) को दिल्ली शराब नीति केस में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी ष्टरू मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की CBI अधिकारियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) मामले में ट्रायल कोर्ट आगे की सुनवाई तब तक टाल दे, जब तक हाईकोर्ट इस मामले पर आगे सुनवाई न कर ले।ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को इस मामले में सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया था। इसी आदेश को केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अपनी 974 पेज की याचिका में कहा है कि ट्रायल कोर्ट ने चार्ज फ्रेमिंग के चरण में ही मिनी-ट्रायल जैसा व्यवहार किया। कोर्ट ने पूरे सबूतों को विस्तार से जांचना शुरू कर दिया, जैसे कि पूरा केस चल रहा हो। जबकि इस स्तर पर केवल सरसरी नजर से मामला देखा जाता है।

जांच अधिकारी के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन पर भी रोक

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एजेंसी फिलहाल डिस्चार्ज आदेश पर रोक नहीं चाहती, लेकिन यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ट्रायल कोर्ट का फैसला श्वष्ठ की मनी लॉन्ड्रिंग जांच को प्रभावित न करे। हाईकोर्ट ने एक्साइज पॉलिसी केस की जांच करने वाले CBI ऑफिसर के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन लेने के ट्रायल कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगा दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को मामले में आरोपी बनाए गए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिय समेत 23 लोगों को बरी कर दिया था। फैसला आने के 6 घंटे के बाद ही CBI ने इसके खिलाफ हाइकोर्ट में अपील कर दी थी। CBI ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट से इसे रद्द करने की मांग की है। वहीं, बरी होने के बाद कोर्ट से बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान केजरीवाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा– मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार हैं।

बांग्लादेशी नेता हादी हत्याकांड के 2 आरोपी बंगाल में गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने भारत और शेख हसीना विरोधी बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध रूप से भारत में घुस आए थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें। लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने 7 और 8 मार्च की दरमियानी रात को छापेमारी कर दोनों को पकड़ लिया। राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर हुसैन ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपियों के भारत में दाखिल होने में किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं थी। हादी को ढाका में गोली मारी गई थी उस्मान हादी को राजधानी ढाका में 12 दिसंबर को गोली मारी गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा

चर्चा की मांग; सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा में अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालात पर चर्चा की मांग कर रहा था। उधर, विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया।

राज्यसभा में विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

जेपी नड्डा ने कहा- विपक्ष का व्यवहार गैर जिम्मेदाराना

भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि देश के इंटरेस्ट में जो भी काम होता है, तब–तब विपक्ष सदन से वॉक आउट कतता है। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट के हालतों पर भारत की मंशा, सरकार ने किस तरह से इसमें काम किया है। जयशंकर जी ने इस पर साफ तौर पर बताया है। एनर्जी के मुद्दे पर भी जयशंकर जी ने सब कुछ बताया है, जो विपक्ष ने पूछा था। दुख के साथ कहना पड़ रहा है विपक्ष का व्यवहार गैर जिम्मेदाराना है। इसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है।विदेश मंत्री ने कहा–हम लगातार गल्फ देशो और ईरान के संपर्क में है।
विदेश मंत्री ने कहा– पीएम मोदी ने खुद गल्फ देशों में बात की है।

ममता बनर्जी के धरने का चौथा दिन

रवींद्र संगीत सुनाया: बोलीं धरना स्थल पर भाजपा पर्चे बांट रही, इनमें पीएम की रैली का प्रचार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी है। धरना स्थल पर ममता ने रवींद्र संगीत दल के साथ गाना गाया। ममता ने आरोप लगाया कि उनके धरना स्थल पर भाजपा और उसकी एजेंसियों पर्चे बांट रहे हैं। ममता ने ञ्जरूष्ट कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पर्चे बांट रहे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। पर्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को कोलकाता में होने वाली रैली का प्रचार किया जा रहा है।

ममता ने अपने समर्थकों से कहा, किसी अन्य राजनीतिक दल के कार्यक्रमों में ऐसे पर्चे बांटने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पकड़ो और पुलिस के हवाले कर दो। बनर्जी ने राज्य मंत्री शशि पांजा को भी इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पर्चे बांटने में शामिल लोग पूछताछ के बाद भाग गए।

ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, 'उनके पास जनता का समर्थन नहीं है। वे वोट चोर हैं। वे एजेंसियों का इस्तेमाल करते हैं। '

पीएम बोले- भारत इनोवेशन वाली इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा: एआई-ऑटोमेशन पर फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 मार्च (सोमवार) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पोस्ट-बजट वेबिनार को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत अब तेजी से एक इनोवेशन-ड्रिवन इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा है। हमारे एजुकेशन सिस्टम को रियल-वर्ल्ड इकोनॉमी की जरूरतों के साथ और मजबूती से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल इकोनॉमी को भविष्य के लिए जरूरी बताया। पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय की ग्रोथ बनाए रखने के लिए भारत को AI, ऑटोमेशन, डिजिटल इकोनॉमी और डिजाइन-बेस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे उभरते सेक्टरों पर ध्यान देना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल लेवल पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए इन विषयों को प्राथमिकता देना जरूरी है।

एजुकेशन–एम्प्लॉयमेंट के बीच की दूरी कम होगी : प्रधानमंत्री ने शिक्षा और रोजगार के बीच सीधा संबंध बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमें अपने एजुकेशन सिस्टम को रियल इकोनॉमी से जोड़ने की प्रोसेस को और तेज करना होगा।'पीएम के मुताबिक, आने वाले समय में वर्कफोर्स के लिए 'फ्यूचर रेडी स्किल्स' यानी भविष्य की जरूरतों के हिसाब से कौशल होना सबसे जरूरी होगा।

बेटियों को नए मौकों से पीछे नहीं रहने देंगे : समावेशी विकास का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी के इस दौर में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे हम भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार हो रहे हैं, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि अवसरों की कमी के कारण कोई भी बेटी पीछे न छूटे।'

हेल्थकेयर–स्पोर्ट्स को भी प्राथमिकता देंगे : पीएम ने हेल्थ सेक्टर पर बात करते हुए कहा कि सरकार एक प्रिवेंटिव और होलिस्टिक हेल्थकेयर सिस्टम पर काम कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर का काफी विस्तार हुआ है। इसके साथ ही स्पोर्ट्स को अब राष्ट्रीय विकास का एक प्रमुख स्तंभ माना जा रहा है, जिसके लिए देशभर में खेल सुविधाओं को मजबूत किया गया है।

वेबिनार की थीम 'सबका साथ सबका विकास' रखी गई : इस वेबिनार की थीम 'सबका साथ सबका विकास- लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना' रखी गई।

बंगाल पहुंचे चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार कालीघाट में पूजा की: लोगों ने गो-बैक के पोस्टर

- **काले झंडे दिखाए; भाजपा की मांग– 3 फेज में ही कराएं चुनाव**

कोलकाता, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रविवार शाम को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने कोलकाता पहुंचे। 3 दिन चलने वाली चुनाव आयोग की फुल बेंच मीटिंग के बीच सोमवार को ज्ञानेश कुमार कालीघाट में पूजा करने पहुंचे।मंदिर के बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने गो बैक के पोस्टर और काले झंडे दिखाए। इसके पहले रविवार को भी कोलकाता पहुंचने पर कुछ लोग उनके काफिले के सामने झंडे लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते दिखे।इधर, BJP के एक डेलीगेशन ने सोमवार को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की फुल बेंच से मुलाकात की और मांग की कि 2026 का पश्चिम बंगाल असेंबली चुनाव तीन फेज में ही कराया जाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होने वाला है। 294 सीटों पर अप्रैल में चुनाव होने की उम्मीद है। 2021 में TMC ने 215 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री चुनी गई थीं।

एयरपोर्ट से होटल तक विरोध : रविवार को पश्चिम बंगाल के स्थानीय लोग न्यू टाउन में एक प्राइवेट होटल के सामने इकट्ठा हुए, उन्होंने 'गो बैक, ज्ञानेश कुमार, डेमोक्रेसी के हत्यारे' लिखी टीशर्ट पहनी थी। जब चीफ इलेक्शन कमिश्नर (CEC) ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर SS संधू, विवेक जोशी और सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गार्ड और पवन कुमार के साथ CEC ज्ञानेश कुमार कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे, तो प्रदर्शनकारी वहां भी पहुंच गए।

उत्तम नगर तरुण हत्याकांडः आरोपी अमरुद्दीन के अवैध मकान पर चला बुलडोजर, महिला आरोपी अभी भी पकड़ से दूर

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में जिस तरह से अपराधियों के मकान और अन्य प्रतिष्ठानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाती है, कुछ ऐसा ही दिल्ली में भी देखने को मिला है। यहां उत्तम नगर थाना क्षेत्र में होली के दिन पानी से भरे गुब्बारे के छींटे पड़ने के विवाद में तरुण नामक युवक की हत्या के मामले में पकड़े गए आरोपियों में से एक के मकान पर हथौड़ा चला। बुलडोजर के साथ पहुंचे निगम के दस्ते ने यहां मकान के अवैध हिस्से को ढहा दिया। निगम की इस कार्रवाई को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की चेतावनी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी। इस मामले में पुलिस ने एक और आरोपी इमरान उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया है। उधर, पुलिस ने इस मामले में एक और आरोपित इमरान उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया है। मामले की छानबीन जारी है।

नाले की जमीन को अतिक्रमण करके बनाया : रविवार सुबह निगम पश्चिमी जोन के मेंटेनेन्स विभाग के दस्ते ने आरोपी अमरुद्दीन के घर पर पूरी तैयारी के साथ दस्तक दी। अमरुदीन का घर हस्तसाल श्मसान भूमि की ओर जाने वाली मुख्य सड़क के किनारे और तरुण की गली की शुरुआत पर कोने में बना है। नियमों को ताक पर रखते हुए इसने अपने मकान का काफी हिस्सा नाले की जमीन को अतिक्रमण करके बनाया हुआ था। निगम के अधिकारियों का कहना है कि करीब साढ़े चार फीट आगे इसने जमीन पर कब्जा कर रखा था। इससे गली का प्रवेश द्वार काफी संकरा हो गया था। लोगों को गली में प्रवेश में दिक्कत होती थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि जब भी लोग आपत्ति करते थे, इसका पूरा परिवार झगड़ा करने लगता था। इसने ऐसी दशहत फैला रखी थी, लोग इसे कुछ भी कहने से बचते थे, इससे इसकी हिम्मत बढ़ने लगी। गली के लोगों को रविवार सुबह जब यह पता लगा कि आज इसके घर के अवैध हिस्से को ढहाया जाएगा, तो लोग इसके घर के सामने जुटने लगे। लोगों की भीड़ जुटती देख निगम अधिकारियों के कहने पर पुलिस सक्रिय हुई और आसपास बैरिकेट लगा दिया गया। वहीं, पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस व अर्धसैनिक बल के जवान तैनात कर दिए गए। निगम की कार्रवाई के दौरान कोई व्यवधान नहीं हो, इसके लिए सैकड़ों की संख्या में जवान तैनात रहे। मामले की निगरानी के लिए दर्जनों एसीपी रैंक के अधिकारी पूरे इलाके में तैनात रहे। पुलिस के पर्याप्त बंदोबस्त के बाद निगम के दस्ते ने पहले आरोपित के घर के बाहरी हिस्से पर बनी दीवार पर बुल्डोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। इसके बाद भूतल के अन्य हिस्से ढहाए गए। फिर एक एक करके सभी उपरी मंजिलों के बाहरी हिस्सों पर हथौड़े पूरे दिन चलते रहे। सूत्रों की मानें तो अभी इस मामले से जुड़े वे सभी आरोपित जिन्होंने नियमों को ताक पर रखकर मकान का अवैध विस्तार किया है, उस पर हथौड़ा चलता रहेगा। निगम के अधिकारियों ने इस कार्रवाई को रूटीन से जुड़ी कार्रवाई करार दिया और कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई इसके पूर्व राजौरी गार्डन व पंखा रोड में हुई है और अब यहां हो रही है।

अब तक सात गिरफ्तार : चार मार्च को होली के दिन रात के समय उत्तम नगर पुनर्वासित कालोनी में रहने वाले तरुण को उनके घर के नजदीक आरोपितों ने बुरी तरह पीटा, जिससे उनकी मौत हुई। इस घटना के बाद बाद से ही पुलिस लगातार आरोपितों को गिरफ्तार कर रही है। रविवार को हुई गिरफ्तारी के बाद अब इस मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। एक नाबालिग आरोपित को भी पकड़ा गया है। इससे पूर्व गिरफ्तार किए गए आरोपितों में अमरुद्दीन, जमाउद्दीन, मुश्ताक, कमरुद्दीन, मुजफ्फर व ताहिर शामिल है।

उन्हें गिरफ्तार किया जाता रहेगा

पुलिस का कहना है कि छानबीन के दौरान जिस हिसाब से आरोपितों के नाम सामने आते जाएंगे, वैसै- वैसे आरोपितों के नाम प्राथमिकी में दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार किया जाता रहेगा। पुलिस अधिकारी का कहना है कि इस मामले में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर प्राथमिकी में एससीएसटी एक्ट की धारा भी जोड़ी गई है। इसके बाद अब इस मामले में जांच अधिकारी की भूमिका एसीपी को सौंपी गई है। नए जांच अधिकारी अब पीड़ित पक्ष के लोगों का बयान नियम के अनुसार आन कैमरा दर्ज कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकरण में अभी तक इस झगड़े की जड़ दो महिलाएं, अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। दोनों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए। पुलिस का कहना है है कि इस मामले में जो भी आरोपी हैं, वे शीघ्र ही पकड़ में आएं, इसके लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं।

अंधेरे और अधूरी सड़क का खामियाजा, गुरुग्राम के सेक्टर 99 में खाई में पलटी टैक्सी

बादशाहपुर (गुरुग्राम), एजेंसी। द्वारका एक्सप्रेसवे से जुड़े सेक्टर-99ए में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें एक टैक्सी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा सेक्टर-99ए स्थित हैबिटेट सोसायटी के पास रात करीब 10 बजे हुआ। जब एक टैक्सी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी गहरी खाई में पलट गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना द्वारका एक्सप्रेसवे से जुड़ी 75 मीटर चौड़ी अपर रोड पर हुई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस सड़क का करीब 100 मीटर हिस्सा पिछले कई वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। सड़क के इस अधूरे हिस्से के कारण यहां गहरी खाई जैसी स्थिति बन गई है। जिससे वाहन चालकों को रात के समय विशेष रूप से खतरा बना रहता है। पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा इंतजाम न होने के कारण यहां दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि अधूरी सड़क और अंधेरे के कारण इस स्थान पर पहले भी कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है। अगर समय रहते सड़क का निर्माण पूरा कर दिया जाए और उचित रोशनी की व्यवस्था की जाए तो कई हादसों को रोका जा सकता है। इस संबंध में हैबिटेट सोसायटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दलबीर सिंह बेनीवाल ने बताया कि वे इस सड़क के अधूरे निर्माण को लेकर कई बार संबंधित विभागों को लिखित शिकायत दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह सड़क लंबे समय से अधूरी पड़ी हुई है। जिससे क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग 10 से 12 वर्षों से ग्रामीणों द्वारा लिए गए स्टे के कारण सड़क निर्माण का कार्य अटका हुआ है। इसके चलते यह महत्वपूर्ण सड़क परियोजना अधूरी रह गई है और आए दिन हादसे हो रहे हैं।

जल्द समाधान की मांग: आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने सरकार और संबंधित विभाग से मांग की है कि ग्रामीणों की मांगों का जल्द समाधान कर इस सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में और बड़े हादसे होने की आशंका बनी रहेगी। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन से इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में सुरक्षित यातायात सुनिश्चित हो सके।

मणिपुर में दो खूंखार उग्रवादी गिरफ्तार, सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी सफलता

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों से दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि रविवार को इंफाल पूर्वी जिले के कोंगपाल चिंगंगबम लीकाई से प्रतिबंधित संगठन सोरेपा के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि इस उग्रवादी पर छोटे दुकानदारों से जबरन वसूली करने का आरोप है। पुलिस ने कहा कि इंफाल पश्चिम जिले के प्रजातंत्र गली से पीपल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (पीआरईपीएके) के एक सदस्य को पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक एक अलग अभियान में, तेंगनौपाल जिले में सीमावर्ती शहर मोरेह के एक होटल से तीन संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि तस्करों की पहचान लेतमीनलुन खोंगसाई (35), जामगौलेन हाओकिप (28) और देइखोलम चोंगलोई (57) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि उनके पास से कुल 2.3 किलोग्राम याबा की गोलियां, दो लाख रुपये नकद, सोने के दो चेन और एक चौपहिया वाहन बरामद किया गया।

अमेरिका-ईरान जंग का असर पाकिस्तान मेंः पेट्रोल पंप पर चली गोलियां, एक कर्मचारी की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब पाकिस्तान तक पहुंचने लगा है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति को लेकर पैदा हुई चिंताओं के बीच सीलकोट में एक पेट्रोल पंप पर विवाद के बाद गोलीबारी हो गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार को एक पेट्रोल पंप पर हुई। रिपोर्ट के अनुसार लोगों के बीच यह डर फैल गया है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। विशेष रूप से बंद होने की आशंका ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इस वजह से कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। पुलिस के अनुसार एक कार में आए दो लोग पेट्रोल भरवाने के बाद अपने साथ लाए दो डिब्बों में भी पेट्रोल भरवाना चाहते थे।

लेकिन पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने सरकारी नियमों का हवाला देते हुए ऐसा करने से इनकार कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। पुलिस के मुताबिक कार सवार लोगों ने पहले कर्मचारियों को धमकी दी और वहां से चले गए। करीब एक घंटे बाद वे हथियारों के साथ वापस आए और पेट्रोल पंप कर्मचारियों पर हमला करते हुए गोलीबारी कर दी। इस हमले में तीन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां 25 वर्षीय मोहम्मद सिबतैन ने दम तोड़ दिया। बाकी दो घायलों की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है।

नेपाल चुनाव में ऐतिहासिक उलटफेरः बालेंद्र शाह की पार्टी ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के आम चुनाव में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है।बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है और अब सरकार बनाने की स्थिति में आ गई है। नेपाल के अनुसार प्रत्यक्ष मतदान के तहत 165 सीटों में से आरएसपी 117 सीट जीत चुकी है, जबकि कई अन्य सीटों पर भी आगे चल रही है। चुनाव का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब 35 वर्षीय बालेन शाह ने झापा-5 सीट से चार बार के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोटों के बड़े अंतर से हरा दिया।इस जीत के बाद बालेन शाह के नेपाल का अगला प्रधानमंत्री बनने की संभावना मजबूत हो गई है।

इस चुनाव में नेपाल की पुरानी पार्टियों को बड़ा झटका लगा। कई बड़े नेता भी चुनाव हार गए, जिनमें कई पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि यह परिणाम नेपाल में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और पुरानी राजनीति के खिलाफ जनता की नाराजगी को दिखाता है।विशेष रूप से युवाओं और नए मतदाताओं ने बदलाव के लिए बड़ी भूमिका निभाई। नेपाल में राजनीतिक बदलाव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के सफल आयोजन पर नेपाली जनता को बधाई दी। भारत ने उम्मीद जताई है कि नई सरकार के साथ दोनों देशों के विकासात्मक संबंध और मजबूत होंगे। नेपाल की राजनीति में नया अध्याय पिछले 18 वर्षों में 14 सरकारें देखने वाले नेपाल में यह चुनाव नई राजनीतिक दिशा की शुरुआत माना जा रहा है। यदि बालेन शाह प्रधानमंत्री बनते हैं तो वह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

ईरान में 175 बच्चों की मौत, स्कूल पर गिरी अमेरिका की टोमाहॉक मिसाइल

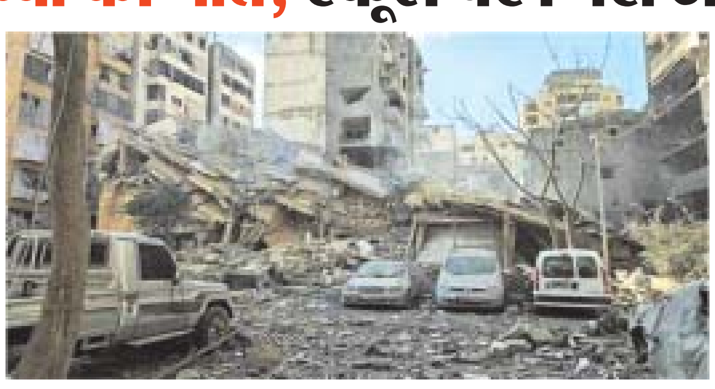

तेहरान, एजेंसी। ईरान के मिनाब शहर से एक रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है, जहां मासूम बच्चों की हंसी एक पल में मातम में बदल गई। ईरान के सरकारी मीडिया ने एक नया वीडियो जारी किया है, जिसमें कथित तौर पर एक अमेरिकी क्रूज़ मिसाइल को एक परिसर पर गिरते हुए दिखाया गया है। इस हमले में एक लड़कियों के स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं और स्टाफ सहित लगभग 175 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना लगभग एक सप्ताह पहले हुई थी। वीडियो, जो केवल सात सेकंड का है, ईरानी समाचार एजेंसी ने प्रकाशित किया। इसमें एक मिसाइल को दीवार से घिरे परिसर के भीतर स्थित एक इमारत से टकराते हुए देखा जा सकता है। माना जा रहा है कि यह इमारत एक स्वास्थ्य क्लिनिक थी, जो पहले एक नौसैनिक अड्डे के परिसर के भीतर स्थित था। वीडियो में यह भी दिखाई देता है कि जिस हिस्से में लड़कियों का स्कूल था, वहां से पहले से ही धुआं उठ रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि क्लिनिक पर हमला स्कूल पर हुए हमले के कुछ समय बाद हुआ होगा। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार इस बमबारी में 165 से 180 लोगों के बीच मौतें हुई, जिनमें अधिकांश छात्राएँ थीं। हालांकि वीडियो की गुणवत्ता कम होने के कारण इस्तेमाल किए गए हथियार की सटीक पहचान करना मुश्किल है, लेकिन ग्लोबल सिक्योरिटी प्रोफेसर के अनुसार यह मिसाइल अमेरिकी क्रूज़ मिसाइल जैसी दिखती है। टॉमहॉक मिसाइल फिलहाल केवल अमेरिका के पास ही होने की जानकारी है। हमले के बाद सोमवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष ने कहा कि समुद्र से पहली बार टॉमहॉक मिसाइलें अमेरिकी नौसेना द्वारा दागी गई थीं। हालांकि शनिवार को एयर फ़ोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में इस हमले के लिए ईरान को ही जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि ईरान के हथियार बहुत सटीक नहीं होते और उनके अनुसार यह हमला ईरान की ही कार्रवाई हो सकती है। दूसरी ओर विशेषज्ञ का कहना है कि वीडियो में दिखाई दे रही मिसाइल ईरान में बनी किसी ज्ञात क्रूज़ मिसाइल डिज़ाइन से मेल नहीं खाती। समाचार संगठन हक्क ने वीडियो की लोकेशन की पुष्टि की है। यह वीडियो परिसर के सामने बन रही एक हाउसिंग कॉलोनी से शूट किया गया प्रतीत होता है। वीडियो में दिखाई देने वाले कई विवरण, जैसे क्लिनिक के प्रवेश द्वार पर लगा बोर्ड, उस परिसर की पहचान से मेल खाते हैं। इस वीडियो की लोकेशन की सबसे पहले पुष्टि ऑनलाइन रिसर्च ग्रुप ने की थी। विशेषज्ञों के अनुसार वीडियो असली प्रतीत होता है। हाल के ईरान संघर्ष के दौरान कई ढ्ढ-जनित वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, लेकिन उनमें अक्सर भौतिकी की गलतियाँ या स्थान संबंधी असंगतियाँ होती हैं, जो इस वीडियो में नहीं दिखतीं। इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उपग्रह इमेजिंग कंपनी की सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर पहले रिपोर्ट किया था कि इस हमले में केवल स्कूल ही नहीं बल्कि परिसर की कई अन्य इमारतें भी क्षतिग्रस्त हुई थीं। कुल मिलाकर इस परिसर की सात इमारतें प्रभावित हुई। यह परिसर ईरान के दक्षिण-पूर्वी शहर में स्थित है और पहले यह एक छोटा नौसैनिक अड्डा था। 2010 के एक सैन्य अभ्यास के वीडियो में यहां से ड्रोन उड़ाते हुए भी देखा गया था।

विश्वविद्यालयों से समन्वय कर आगे बढ़ें महिला उद्यमी', राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का संदेश

लखनऊ, एजेंसी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने महिला उद्यमियों, शिक्षाविदों और विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही महिलाओं से विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय स्थापित कर अपने कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कहा कि शिक्षा संस्थानों और समाज के बीच सहयोग से महिलाओं के उद्यमों को नई दिशा और बेहतर अवसर मिल सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जन भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पुलिस, सेना, प्रशासन, शिक्षा, ग्राम प्रधान, कृषि उत्पादन संगठन, राजकीय बाल संरक्षण गृह, समाज सेवा और विभिन्न उद्यमों से जुड़ी लगभग 200 महिलाएं शामिल हुई। राज्यपाल ने वाराणसी, मिर्जापुर और सोनभद्र की ग्रीन आर्मी की महिलाओं के कार्यों की सराहना की। बताया कि ये महिलाएं पुराने कपड़ों को एकत्र कर उनकी सफाई, कटिंग और सिलाई करके नए कपड़े और चप्पल तैयार करती हैं। इन महिलाओं द्वारा बनाई गई चप्पल प्रधानमंत्री को भी भेंट की जा चुकी है। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी वैक्सीन के महत्व का उल्लेख करते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

मोटे अनाज को किया प्रोत्साहित : ग्राम प्रधान महिलाओं से कहा कि वे गांवों में बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें और पंचायत को मिलने वाली निधियों का उपयोग समाज कल्याण के कार्यों में करें। कृषि उत्पादन संगठनों से जुड़ी महिलाओं को स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, बेहतर प्रशिक्षण और प्रदर्शनी आयोजित करने पर जोर दिया। साथ ही इन संगठनों को कृषि विश्वविद्यालयों से जोड़ने और मिलेट्स जैसे मोटे अनाज से विविध उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। महिला कुलपतियों को निर्देश दिया कि ऐसे संगठनों को प्रेरित करें और आवश्यकता होने पर विश्वविद्यालय स्तर पर उनके उत्पादों की खरीद भी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी देवरिया दिव्या मित्तल, कानपुर नगर कमिश्नरेट की अपर पुलिस आयुक्त आइपीएस अंजलि विश्वकर्मा, वायुसेना की स्क्वाड्रन लीडर शिप्रा गुप्ता, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की कुलपति डा. सोनिया नित्यानंद और चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने अपने अनुभव साझा किए। जन भवन के चिकित्साधिकारी डा. नरेंद्र देव की पुत्री तनुश्री सिंह को एमबीबीएस इंटर्नशिप के दौरान नौ गोल्ड मेडल पाने पर सम्मानित किया गया। गुजरात के बनासकांठा जिले की पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

केरल की राजधानी में रफ्तार का कहर! दो बाइकों की जोरदार टक्कर में 3 लोगों की मौत, कई घायल

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। तिरुवनंतपुरम के नेदुमंगड में दो दोपहिया वाहनों की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान राजेश (21), बिनय (20) और श्रीलाल (28) के रूप में हुई है जो पास के उझामलक्कल के रहने वाले थे। पुलिस का कहना है कि घायल अभिनव को गंभीर चोटें आयी हैं तथा उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना रविवार रात करीब पौने 11 बजे नेदुमंगड-आर्यनाड मार्ग पर कुलप्पाडा में हुई। पुलिस ने बताया कि राजेश और बिनय एक मोटरसाइकिल से जा रहे थे तथा उनकी मोटरसाइकिल एक अन्य दोपहिया वाहन से टकरा गयी जिसपर श्रीलाल एवं अभिनव सवार थे। पुलिस के मुताबिक हादसे में चारों गंभीर रूप से घायल हो गये तथा बाद में उनमें से तीन ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। आर्यनाड पुलिस ने सोमवार को मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

हिमाचल प्रदेश में ई-केवाईसी में खुली फर्जी पेंशनरों की पोल, 1.28 लाख खाते किए बंद, 44 हजार मृतक भी ले रहे थे लाभ

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में 1.28 लाख लोगों के सामाजिक सुरक्षा पेंशन खाते बंद कर दिए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत चलाए गए ई-केवाईसी अभियान ने कई गंभीर मुद्दों को उजागर किया है। विभाग की जांच में यह सामने आया कि 44 हजार मृत लाभार्थियों के खाते में पेंशन का भुगतान किया जा रहा था। ई-केवाईसी प्रक्रिया के बाद उनके नामों को सूची से हटा दिया गया है। इसके अतिरिक्त, लगभग 6,000 लाभार्थी अपात्र पाए गए हैं, जिनकी पेंशन अब बंद कर दी गई है।

इसके अलावा, 47 हजार से अधिक लाभार्थियों के पेंशन खाते ई-केवाईसी न करवाने के कारण भी बंद किए गए हैं। इस प्रकार, कुल मिलाकर 1.28 लाख लोगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन को समाप्त कर दिया गया है। प्रदेश में जुलाई 2025 तक 8.11 लाख लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ मिल रहा था। ई-केवाईसी की शुरुआत के बाद अपात्र और मृतकों को सूची से हटाया गया। विभिन्न प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जो 1000 रुपये से 1700 रुपये तक की मासिक पेंशन है, त्रैमासिक आधार पर लाभार्थियों के खातों में डाली जा रही है। ई-केवाईसी का मुख्य उद्देश्य पेंशन प्रणाली को पारदर्शी बनाना और वास्तविक जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचाना है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भुगतान के लिए एक नया डिस्बर्समेंट पोर्टल सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विकसित किया गया है, जिसका परीक्षण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। 2026 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) की पेंशन नए साफ्टवेयर के माध्यम से जारी की जाएगी। मृतकों, अपात्रों और ई-केवाईसी न करवाने वालों के पेंशन खाते बंद कर दिए गए हैं। ई-केवाईसी करवाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था।

अगले महीने उत्तर प्रदेश से गुजरने वाली दर्जनों ट्रेनें कैंसिल

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में रेल यात्रा करने वालों के लिए बड़ी और जरूरी खबर है। कानपुर के पास गंगा नदी पर बने महत्वपूर्ण रेलवे पुल की मजबूती और सुरक्षा के लिए मरम्मत का काम शुरू होने जा रहा है। 2 अप्रैल से शुरू होने वाला यह मेगा ब्लॉक करीब 40 दिनों तक चलेगा। इस दौरान लखनऊ-कानपुर रेल मार्ग पर चलने वाली कई पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों के पहिए थम जाएंगे वहीं कई वीआईपी ट्रेनों को अपना रास्ता बदलना पड़ेगा।

क्यों लिया गया यह बड़ा फैसला: रेलवे अधिकारियों के मुताबिक गंगा नदी पर बना यह पुल सामरिक और सुरक्षा की दृष्टि से बेहद अहम है। इसकी नियमित मेंटेनेंस और मजबूती बनाए रखने के लिए यह ब्लॉक अनिवार्य है। मरम्मत कार्य के दौरान पुल पर ट्रेनों का लोड कम रखने के लिए कई ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द करने और कुछ को डायवर्ट करने का निर्णय लिया गया है।

यात्रियों के लिए जरूरी सलाह : रेलवे का कहना है कि काम पूरा होते ही सभी ट्रेनों का संचालन फिर से सामान्य कर दिया जाएगा। तब तक यात्री ऐप या 139 पर अपनी ट्रेन की लाइव स्थिति जांचने के बाद ही घर से निकलें। रूट डायवर्जन की वजह से इन ट्रेनों के पहुंचने के समय में 1 से 3 घंटे की देरी हो सकती है।

संकल्प से समाधान अभियान और लंबित प्रकरणों की कलेक्टर ने की समीक्षा

प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करेंगे - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने विभिन्न विभागों की योजनाओं, शिकायतों तथा लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की बैठक में उन्होंने अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक समय पर पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है उन्होंने सभी विभागों को अपने कार्यों की नियमित समीक्षा करने

तथा लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी बैठक के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय में समय पर उपस्थित रहने के निर्देश भी दिए उन्होंने कहा कि कार्यालयीन अनुशासन से प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ती है और आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं उन्होंने चेतावनी दी कि अनावश्यक अनुपस्थिति या देरी की स्थिति में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न होकर वास्तविक और संतोषजनक होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों तथा 100 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश दिए।

ग्राम डांडी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। आज ग्राम पंचायत भनिगवां, ग्राम डांडी, सरकारी ब्लाक जवां, जिला रीवा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक समारोह का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का तात्वाधान अहिंसा वेल फेयर सोसायटी रीवा एवं समग्र जन चेतना विकास परिषद रीवा ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी चक्रधर सिंह रहे जिन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों की महत्ता पर प्रकाश डाला इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता राज दुलारी विश्वकर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संतोष कुमारी मिश्रा, और अध्यापिका शिवकुमारी आदिवासी ने भी अपनी बातें साझा की। समग्र चेतना के फिल्ड वर्कर सच्चिदानन्द पांडे, पूर्व सरपंच सुसील कुमार कोल, और अहिंसा वेल फेयर के फिल्ड वर्कर बालेंद्र सिंह ने भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाग लिया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बालक-बालिकाएं और ग्रामीण जन उपस्थित रहे। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके योगदान को मान्यता देना था समारोह में महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, और उनकी सुरक्षा के संबंध में जानकारी साझा की गई इस प्रकार यह कार्यक्रम महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

विश्व महिला दिवस पर ग्राम पंचायत झिरिया में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आज ग्राम पंचायत झिरिया में विश्व महिला दिवस के अवसर पर एक शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम की शुरुआत सरपंच सुनीता राजाराम बुनकर द्वारा सरस्वती माता के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच प्रतिनिधि राजाराम बुनकर ने महिलाओं के महत्व पर जोर दिया उन्होंने अपने संबोधन में कहा 'महिलाएं और बच्चियां दो घरों को रोशन करती हैं जब वे मायके में रहती हैं तो माता-पिता के लिए लक्ष्मी का रूप होती हैं और शादी के बाद ससुराल में गृह लक्ष्मी बनकर परिवार की खुशहाली में योगदान देती हैं महिला के पास वो शक्ति होती है जिससे वह घर को स्वर्ग बना सकती हैं या फिर उसे नर्क भी बना सकती हैं एक महिला अपने बच्चों को आसमान की ऊंचाई तक पहुंचा सकती हैं या फिर उन्हें बिना पढ़ाई के गंवार बना सकती हैं महिला के हाथों में ही समाज का भविष्य छिपा है महिलाओं के बिना पुरुष अधूरा रहता है हमें हमेशा अपनी बेटियों और बच्चों को शिक्षित करने की दिशा में काम करना चाहिए। इस दौरान महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। सरपंच सुनीता बुनकर ने महिलाओं को पुष्प, पेन, डायरी, फाइल और पानी का वाटर बॉटल भेंट किया यह सम्मान उन महिलाओं को दिया गया जिन्होंने समाज में अपने कार्यों से सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दिया है। कार्यक्रम में उप सरपंच राजकली द्विवेदी और पंच रूप कुमारी द्विवेदी ने महिला सशक्तिकरण और जागरूकता से संबंधित प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किए इन गीतों में महिलाओं की शक्ति और उनकी महत्वता को प्रमुख रूप से दर्शाया गया। इस आयोजन में पंचायत सचिव रामनारायण वर्मा, पंच राम बाई पाल, चांदनी कोल, अशोक पप्पू द्विवेदी, राजीव द्विवेदी, जितेंद्र तिवारी, रिंकू तिवारी, भूरा कोल, राकेश द्विवेदी, पिंटू नामदेव और कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय महाविद्यालय में साप्ताहिक कार्यक्रम का हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमरपाटन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम का समापन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर सुरेंद्र सिंह परिहार, कुलसचिव, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा थे कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. एस.के. त्रिपाठी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ने भी शिरकत की कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन से की गई इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें रंगोली, पोस्टर, मॉडल और प्रश्न मंच शामिल थे इन प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त

करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि डॉक्टर सुरेंद्र सिंह परिहार ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है तो युवा पीढ़ी को विशेष रूप से महिलाओं को विज्ञान के क्षेत्र में अपनी महती भूमिका निभानी होगी उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया और कहा कि महिला वैज्ञानिकों की बढ़ती संख्या देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देग विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एस.के. त्रिपाठी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों पर ध्यान देते हुए विज्ञान के मूल उद्देश्य को समझना चाहिए और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाना चाहिए उन्होंने यह भी कहा कि देश की प्रगति के लिए महिलाएं अब सभी क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में संकल्पित हैं कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश मिश्रा, प्राध्यापक रसायन शास्त्र, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने महान वैज्ञानिक डॉक्टर सी.वी. रमन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. बर्मा ने की, जबकि कार्यक्रम का समन्वय डॉ. आलोक सिन्हा, विभागाध्यक्ष रसायन शास्त्र ने किया कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध शुक्ला द्वारा सफलता पूर्वक किया गया डॉ. लक्ष्मी त्रिपाठी के संयोजन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बुजुर्ग से मारपीट, जमीन पर गिराकर पीटा पुलिस बोली- शिकायत मिलने पर करेंगे कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। चितरंगी थाना क्षेत्र के ग्राम बोदा में एक बुजुर्ग के साथ मारपीट की गई वीडियो में आरोपी रामसेवक, गांव के ही बुजुर्ग राम विशाले बैगा को बुरी तरह पीटते हुए दिखाई दे रहा है बुजुर्ग जमीन पर लाचार पड़े हैं और आरोपी उन पर लगातार प्रहार कर रहा है सबसे दुखद पहलू यह रहा कि मारपीट के दौरान वहां कई लोग मौजूद थे लेकिन किसी ने भी आगे बढ़कर बुजुर्ग को बचाने की कोशिश नहीं की। चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी के अनुसार, मामला उनके संज्ञान में आ चुका है हालांकि पुलिस का कहना है कि अब तक पीड़ित पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

अमर बलिदानी ठाकुर रणमत सिंह की जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अमर बलिदानी ठाकुर रणमत सिंह की जयंती के अवसर पर ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय परिसर में स्थापित अमर शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने महान क्रांतिकारी को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक मध्यप्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष नागेंद्र सिंह कल्चुरी ने कहा कि ठाकुर रणमत सिंह मध्यप्रदेश के गौरव थे उन्होंने वर्ष 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के खिलाफ साहसपूर्वक संघर्ष किया और अंग्रेजी हुकूमत के

छक्के छुड़ा दिए थे उनके अदम्य साहस और देशभक्ति से अंग्रेज शासन भयभीत हो गया था। उन्होंने बताया कि अंग्रेजों ने उन्हें धोखे से गिरफ्तार कर लिया और उत्तर प्रदेश के बांदा में वर्ष 1860 में फांसी की सजा दी ठाकुर रणमत सिंह ने देश की स्वतंत्रता के लिए इस सजा को भी हंसते-हंसते स्वीकार कर लिया उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार कोल, प्रदेश सचिव गफूर खान और शिवेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी वक्ताओं ने कहा कि सतना जिले के मनकहरी गांव में वर्ष 1825 में जन्मे इस वीर सपूत ने 1857 की क्रांति में सतना और आसपास के क्षेत्रों में विद्रोह का बिगुल फूंका था। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ठाकुर रणमत सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे है।

छुहिया घाटी में हाथियों की दस्तक वन विभाग ने यातायात रोका, कई गांवों की फसलें तबाह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा-सीधी सीमा पर स्थित छुहिया घाटी में सोमवार तड़के हाथियों के झुंड की आवाजाही के कारण वन विभाग को यातायात रोकना पड़ा एहतियातन उठाए गए इस कदम से वाहनों की आवाजाही सुबह तक बाधित रही जिससे राहगीरों को कुछ समय के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 4 बजे हाथियों का एक झुंड छुहिया घाटी के पास पहुंच गया था यह मार्ग रीवा और सीधी जिलों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रास्ता है हाथियों की सुरक्षा और आम लोगों को संभावित खतरे से बचाने के लिए वन विभाग ने तत्काल मार्ग बंद कर दिया। वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि हाथियों का मूवमेंट इसी मार्ग से होकर आगे बढ़ रहा है विभाग ने सुबह करीब 10 बजे तक हाथियों के क्षेत्र से सुरक्षित निकल जाने की संभावना जताई है जब तक झुंड सुरक्षित रूप से आगे नहीं बढ़ जाता तब तक इस मार्ग पर यातायात रोकने की व्यवस्था की गई है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक 10 मार्च को

अवैध खनन और वन संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर होगी समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम और नियंत्रण के उद्देश्य से गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक 10 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी यह बैठक जिला पंचायत सभागार में जनसुनवाई के उपरांत संपन्न होगी बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं समिति के अध्यक्ष स्वरोचिष सोमवंशी करेंगे प्रभारी अधिकारी (खनिज शाखा) ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए की जा रही संयुक्त कार्यवाहियों की समीक्षा की जाएगी साथ ही सोन घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण को नियंत्रित करने के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की जाएगी। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों के लिए जारी दिशा-निर्देश पुस्तिका के अनुसार भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 4 के अंतर्गत अधिसूचित वनखंडों की धारा 5 से 19 एवं 20 के तहत जांच कार्यवाही पूर्ण कर उन्हें आरक्षित वनखंड घोषित करने के लिए अधिसूचना संभागायुक्त के माध्यम से शासन को भेजने के संबंध में भी समीक्षा की जाएगी इसके अलावा माननीय सर्वोच्च न्यायालय में दायर विधिक याचिका क्रमांक 202/95 गोदावर्मन बनाम भारत शासन एवं अन्य तथा रिट पिटीशन क्रमांक 301/2008 के अंतर्गत आई.ए. क्रमांक 9108/2024 में पारित 15 मई 2025 के निर्णय के अनुपालन में की जाने वाली कार्यवाही पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा बैठक में वन क्षेत्रों में अतिक्रमण करने वालों की बेदखली से संबंधित कार्यवाही तथा इसके लिए संयुक्त दल के गठन पर भी चर्चा होगी साथ ही गैर वनभूमि क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण की प्रगति की समीक्षा की जाएगी इसके अतिरिक्त परिक्षेत्र चुरहट के अंतर्गत बीट शिकारगंज में जंगली हाथियों के विचरण की स्थिति पर भी चर्चा की जाएगी ताकि संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जा सकें बैठक में इन सभी महत्वपूर्ण विषयों के अलावा अन्य मुद्दों पर भी कलेक्टर एवं जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति के अध्यक्ष की अनुमति से विचार किया जाएगा।

मोर का शिकार करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार, वन विभाग ने बरामद किए औजार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कर्थुआ वन परिक्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार करने के आरोप में वन विभाग ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से मोर का शव और शिकार में इस्तेमाल होने वाले तीर-कमान बनाने के औजार बरामद किए गए हैं वन परिक्षेत्र अधिकारी दिव्यांशु सिंह ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग जंगल क्षेत्र में मोर का शिकार कर रहे हैं इस सूचना पर वन विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई की।

टीम ने मौके पर दबिश देकर तीन आरोपियों को पकड़ा उनके कब्जे से एक मृत मोर के साथ-साथ तीर-कमान बनाने में उपयोग होने वाले बर्तन और अन्य सामग्री जब्त की गई गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान हिन्छलाल केवट, रज्जू केवट और सुरेन्द्र उर्फ लाला केवट के रूप में हुई है वन विभाग ने तीनों के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है दिव्यांशु सिंह ने बताया कि वन्यजीवों का शिकार एक गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी उन्होंने आम जनता से वन्यजीव शिकार संबंधी कोई भी जानकारी मिलने पर तुरंत वन विभाग को सूचित करने की अपील की। गौरतलब है कि कर्थुआ वन परिक्षेत्र में पिछले दस दिनों के भीतर यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है इससे पहले वन विभाग ने सांभर का शिकार करने वाले आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई की थी वन विभाग वन्यजीव संरक्षण के लिए लगातार गश्त बढ़ा रहा है।

विश्व महिला दिवस पर सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एचपीवी टीकाकरण के प्रति महिलाओं और किशोरियों को किया गया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व महिला दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग एवं लिनेस क्लब कामाख्या के संयुक्त तत्वावधान में वैष्णवी गार्डन में सर्वाइकल कैंसर से बचाव और एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे तथा जिला अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीता तिवारी उपस्थित रहीं इस अवसर पर क्लब के पदाधिकारी, नर्सिंग स्टाफ और छात्राएं भी बड़ी संख्या में मौजूद रहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. बबीता खरे ने शासन द्वारा संचालित 90 दिवसीय एचपीवी टीकाकरण अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) वैक्सीन महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह टीका गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम करने में प्रभावी साबित हुआ है उन्होंने बताया कि यह टीका 14 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए प्रभावी है और इससे किसी प्रकार का गंभीर दुष्प्रभाव नहीं होता है टीकाकरण के बाद लगभग 15 मिनट तक आराम करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि टीका लगवाते समय मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए तथा यदि हल्का बुखार या सिरदर्द जैसी सामान्य प्रतिक्रिया हो तो घबराने की आवश्यकता नहीं है डॉ. खरे ने यह भी बताया कि एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है।

बढ़ता तापमान : कारगर तैयारी से मौसम बदलाव का मुकाबला

संपादकीय

हाल के वर्षों में कम समय के सर्दी के मौसम के बाद तापमान में अचानक वृद्धि, मौसम के पैटर्न में आ रहे असामान्य बदलाव का स्पष्ट संकेत है। सर्दी के बाद वसंत के मौसम का जल्दी चले जाना और जल्दी गर्मी का आना क्षेत्रीय वायुमंडल परिवर्तनों और दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन का कारण माना जा रहा है। जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। खासकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। चिंता की बात यह भी है कि हिमाचल प्रदेश के सेब के बागों में, कम होती ठंडक से उत्पादकता में गिरावट देखी जा रही है। दरअसल, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है। इससे बचने के लिए अनुकूलन उपायों में जलवायु अनुरूप बागवानी पद्धतियों को अपनाने और दीर्घकाल में सेब पट्टी को ऊंचे क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की जरूरत होगी। आवश्यकता होगी कि हम सूखा-सहिष्णु फसलों को अपनाएं। कम जल के बेहतर उपयोग के प्रयास हों। अब सिर्फ वैकल्पिक फसलों के भरोसे ही नहीं रहा जा सकता, कई मोर्चों पर पहल करने की जरूरत होगी। कुल मिलाकर एक स्पष्ट रणनीति को अपनाकर हम बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं है कि मार्च के पहले सप्ताह में उच्च तापमान का महसूस होना, आने वाले संकट का स्पष्ट संकेत है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में ग्रीष्म ऋतु में आने वाले लू के दिनों की संख्या 1980 के बाद से दुगनी से भी अधिक हो गई है। हमारे देश में तीव्र शहरीकरण, सघन निर्माण और हरित क्षेत्रों के लगातार जारी क्षरण के चलते भी तापमान में वृद्धि हुई है। ऐसे में बढ़ते तापमान से उत्पन्न जल व ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तत्काल कारगर योजनाओं की जरूरत है। इसके साथ ही शीत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु में तेजी से होने वाले परिवर्तन के इस नये असामान्य परिदृश्य के लिए नागरिकों की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के लिए भी एक नया चार्टर बनाने की आवश्यकता होगी। सरकारों की तैयारियों को लेकर भी स्पष्ट रीति-नीति का निर्धारण जरूरी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के निस्तारण के लिए रणनीतियों को लेकर सहभागी दृष्टिकोण प्रभावकारी हो सकता है।

विश्व में अशांति का ठेका और नोबल शांति पुरस्कार की इच्छा?

तनवीर जाफ़री

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ज़िद, सनक और हठधर्मी ने इस समय लगभग पूरी दुनिया को एक ख़तरनाक युद्ध में झोंक दिया है। अमेरिका व इस्राईल द्वारा अकारण ईरान पर थोपा गया एक ऐसा युद्ध जिसके अंजाम को लेकर विश्व के बड़े बड़े सामरिक विशेषज्ञ भी कोई भविष्यवाणी कर पाने में असमर्थ हैं। ईरान, इस्राईल और अमेरिका के बीच चल रहे इस युद्ध की लपटें फ़िलहाल मध्य पूर्व से भी आगे तक फैल चुकी हैं। लगभग 20 से अधिक देश इस युद्ध से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो चुके हैं। गत 28 फ़रवरी से शुरू हुये इस युद्ध में अब तक हज़ारों निर्दोष लोगों की मौतें हो चुकी हैं। इसी युद्ध के परिणाम स्वरूप जहाँ ईरान ने अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली ख़ामनेई को खो दिया है वहीँ युद्ध छिड़ने के पहले ही दिन यानी 28 फ़रवरी की सुबह को ही ईरान के दक्षिणी शहर मिनाब में अमेरिका और इस्राईल ने शाज़ारे तैय्यबह गर्ल्स प्राइमरी स्कूल पर उस वक़्त हमला किया जब बच्चियां अपने अपने क्लास में पढ़ रही थीं। इस हमले में 175 तक छात्राएं मारी गयीं जिनमें अधिकांश की उम्र 7-12 साल की थी। स्कूल का दो मंज़िला भवन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान पर थोपा गया यह युद्ध किसी न किसी रूप में कुवैत इराक़ ,बहरीन,सऊदी अरब,यूएई,ओमान,क़तर,जॉर्डन,तुर्की,अज़रबैजान,साइप्रस व यमन तक पहुँच गया है। यहाँ तक कि भारत - श्रीलंका के समुद्रीय क्षेत्र में भी अमेरिकी पनडुब्बी ने समुद्री हमला कर भारत में अतिथि के रूप में आये ईरान के एक नेवल जहाज़ को डुबो दिया है। अमेरिका- इस्राईल की इन सैन्य कार्रवाइयों से जहाँ पूरे विश्व की ऊर्जा ज़रूरतों के प्रभावित होने की संभावना है वहीं बढ़ते तेल संकट और विभिन्न हवाई क्षेत्र बंद होने से भी इस युद्ध का वैश्विक प्रभाव पड़ा है।

पूरे विश्व में दिनोंदिन फैलती जा रही इस अशांति के सबसे बड़े ज़िम्मेदार केवल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप उनकी हठधर्मिता उनकी सनक व ज़िद को माना जा रहा है। जी हाँ, यह वही ट्रंप हैं जो अपने आप को स्वयंभू विश्व शांति दूत समझते हैं और विश्व का सबसे प्रतिष्ठित समझा जाने वाला नोबल शांति पुरस्कार पाने हेतु हमेशा लालायित नज़र आते रहे हैं। उन्होंने समय समय पर न केवल नोबल शांति पुरस्कार प्राप्त करने की इच्छा कई बार सार्वजनिक रूप से व्यक्त की है बल्कि इसके लिए सक्रिय रूप से प्रयास भी किए हैं। वे स्वयं को इस पुरस्कार के योग्य समझते हुये कहते भी रहे है कि मैं इसका हक़दार हूं द्ध ट्रंप ने तो 2017-2021 के अपने पहले कार्यकाल से ही नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने की इच्छा जतानी शुरू कर दी थी। जोकि उनका दूसरा कार्यकाल आते आते 2025 में और अधिक तीव्र हो गई। अपने इस दावे के पक्ष में वे अपने शासनकाल की अमेरिकी विदेश नीति के फ़ैसलों को पेश किया करते थे। हालांकि ट्रंप कई अवसरों पर यह भी कह चुके हैं कि वे नोबल शांति पुरस्कार के हक़दार तो ज़रूर हैं परन्तु उन्हें लगता है कि इस पुरस्कार का निर्णय करने वाली नॉर्वेजियन नोबल कमेटी यह पुरस्कार उन्हें कभी नहीं देगी। जबकि 2025 में तो ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र की सभा में यह कहा था कि हर कोई कहता है कि मुझे नोबल शांति पुरस्कार मिलना ही चाहिए।

हद तो यह है कि ट्रंप ने इस पुरस्कार के लिये इस तरह की बातें कीं यहाँ तक कि अपने असहज करने वाले बयानों से नोबल कमेटी पर इसके लिये दबाव बढ़ाने की कोशिश की जो नोबेल शांति पुरस्कार के इतिहास में इसके पहले किसी भी दावेदार द्वारा नहीं की गयी। उदाहरण के तौर पर एक बार उन्होंने अमेरिकी सैनिकों से बातचीत के दौरान कहा कि वे (नॉर्वेजियन नोबेल कमिटी) इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने कुछ नहीं किया, लेकिन मुझे नहीं देंगे, जबकि मैं इसके योग्य हूं। इसके अलावा ट्रंप ने नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोल्टेनबर्ग जोकि पूर्व नाटो प्रमुख भी हैं, को फ़ोन कर यह पुरस्कार हासिल करने के लिए लॉबिंग की। उन्होंने 2025 में इस्राईली बंधकों के परिवारों से भी उन्हें पुरस्कार देने की अपील कराई। ट्रंप को इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू व पाकिस्तान द्वारा इस पुरस्कार हेतु नामांकन भी कराया गया।

> भारत के विकास की गति केवल आर्थिक योजनाओं और औद्योगिक विस्तार से तय नहीं होती बल्कि उन संस्थानों की सुरक्षा से भी तय होती है जो देश की आर्थिक शक्ति के आधार हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति तभी स्थायी और सुरक्षित हो सकती है जब उसके महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पूरी तरह सुरक्षित हों। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना की गई। यह बल आज देश की औद्योगिक संरचना की सुरक्षा का सबसे मजबूत आधार बन चुका है और राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीआईएसएफ का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष 10 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन उन हजारों जवानों के साहस अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर है जो देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2025 में 56वाँ स्थापना दिवस तमिलनाडु के थक्कोलम में आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत की औद्योगिक सुरक्षा का सशक्त प्रहरी सीआईएसएफ

(10 मार्च सीआईएसएफ स्थापना दिवस पर विशेष)

कांतिलाल मांडोत

सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को संसद द्वारा पारित कानून के अंतर्गत की गई थी। उस समय देश में सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की आवश्यकता तेजी से महसूस की जा रही थी। प्रारंभ में इस बल में केवल तीन बटालियन और लगभग 2800 कर्मी थे। उस समय इसकी भूमिका सीमित थी लेकिन इसका उद्देश्य स्पष्ट था कि देश की औद्योगिक और रणनीतिक संपत्तियों को सुरक्षित रखा जाए। समय के साथ भारत के औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ और उसके साथ ही सीआईएसएफ की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती चली गई। आज यह बल लगभग दो लाख कर्मियों की शक्ति के साथ देश के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा संगठनों में शामिल हो चुका है। यह बल देश के 70 से अधिक हवाई अड्डों और सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात है। इसकी कार्यक्षमता और अनुशासन के कारण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र का एक मजबूत स्तंभ माना जाता है।

सीआईएसएफ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना है। भारत के पेट्रोलियम संयंत्र इस्पात उद्योग कोयला खदान और ऊर्जा केंद्र देश की आर्थिक रीढ़ हैं। इन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इन पर किसी भी प्रकार का खतरा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। सीआईएसएफ के प्रशिक्षित जवान इन क्षेत्रों में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संभावित खतरे को रोकने का कार्य करते हैं। यह बल देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की सुरक्षा भी करता है। ऐसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रगति के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। सीआईएसएफ आधुनिक निगरानी प्रणाली तकनीकी उपकरणों और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से इन संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

हवाई अड्डों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा सबसे संवेदनशील विषयों मंष से एक है क्योंकि यह सीधे लाखों यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। सीआईएसएफ के जवान यात्रियों की जांच सामान की स्कैनिंग और परिसर की निगरानी जैसे कार्यों को अत्यंत सावधानी और अनुशासन के साथ निभाते हैं। इसी प्रकार मेट्रो रेल नेटवर्क की सुरक्षा भी सीआईएसएफ की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत के कई महानगरों में लाखों लोग प्रतिदिन मेट्रो सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। सीआईएसएफ के जवान मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों में सतर्कता के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करते हैं।

सीआईएसएफ केवल औद्योगिक और परिवहन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की सांस्कृतिक धरोहरों और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों की सुरक्षा भी करता है। विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल सहित कई ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बल पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ राष्ट्रीय धरोहरों की रक्षा का कार्य भी करता है। समय के साथ बदलती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सीआईएसएफ ने स्वयं को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाया है। ड्रोन निगरानी डिजिटल सुरक्षा प्रणाली और आधुनिक हथियारों के उपयोग के माध्यम से यह बल अपनी क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। सुरक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने के कारण यह बल आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बन रहा है।

सरकार ने सीआईएसएफ को हाइब्रिड मॉडल के माध्यम से और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इस मॉडल के अंतर्गत अब निजी औद्योगिक संस्थानों को भी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे देश के औद्योगिक ढांचे की सुरक्षा और अधिक व्यापक और मजबूत हो सकेगी। सीआईएसएफ के जवानों का प्रशिक्षण भी अत्यंत कठोर और व्यवस्थित होता है। भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता को विशेष महत्व दिया जाता है ताकि जवान हर परिस्थिति में सक्षम और सक्रिय रह सकें। नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास के माध्यम से उन्हें आधुनिक सुरक्षा तकनीकों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जाता है।

देश की आंतरिक सुरक्षा में भी सीआईएसएफ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर इसने कई अभियानों में सहयोग दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में इस बल की सक्रिय भूमिका ने इसे एक विश्वसनीय सुरक्षा संस्था के रूप में स्थापित किया है। सीआईएसएफ का आदर्श वाक्य संरक्षण और सुरक्षा है। यह केवल एक नारा नहीं बल्कि बल के प्रत्येक जवान की कार्य भावना का प्रतीक है। सीआईएसएफ के जवान हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। उनके साहस अनुशासन और समर्पण के कारण ही देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियाँ सुरक्षित रह पाती हैं।

भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए औद्योगिक विकास और आर्थिक विस्तार अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में देश के औद्योगिक और रणनीतिक संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाला एक मजबूत सुरक्षा बल भी उतना ही आवश्यक है।

सीआईएसएफ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बल न केवल औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है बल्कि राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि सीआईएसएफ भारत की औद्योगिक सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ है। स्थापना के समय सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह बल आज देश की सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। अनुशासन साहस और समर्पण की भावना से प्रेरित इसके जवान राष्ट्र की सेवा में निरंतर कार्य कर रहे हैं और भारत के विकास को सुरक्षित और स्थिर बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

कच्चा तेल खरीद में अमेरिका की दादागिरी क्यों?

> तेल खरीद में अमेरिका की हमेशा से दादागिरी चलती आ रही है। वर्तमान में जब आठवें दिन इजरायल-ईरान के जंग के बीच जब कच्चा तेल महंगा और सप्लाई भी बंद हो जाती है ऐसे में अमेरिका द्वारा भारत को 30 दिन की मौहलत का आशय ? कूटनीतिक संदेश या दबाव ? । ऐसे समय में शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है।

सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक राजनीति में ऊर्जा हमेशा से शक्ति और दबाव का बड़ा हथियार रही है। हाल के घटनाक्रम में एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि दुनिया की महाशक्तियाँ तेल को केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि कूटनीतिक दबाव के औजार के रूप में भी इस्तेमाल करती हैं। अमेरिका द्वारा कुछ देशों से तेल खरीद को लेकर कड़े प्रतिबंधों की नीति और भारत को 30 दिन की मौहलत देना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

अमेरिका लंबे समय से उन देशों पर दबाव बनाता रहा है, जिनसे उसका राजनीतिक टकराव है। ऐसे में यदि कोई तीसरा देश उनसे तेल खरीदता है तो वह भी अमेरिकी प्रतिबंधों की जद में आ सकता है। यही कारण है कि भारत जैसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता देश को बार-बार संतुलन साधना पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए सस्ती और स्थिर आपूर्ति चाहता है, जबकि अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश उसकी विदेश नीति के अनुरूप ही निर्णय लें।

भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है और उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक बाहरी ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी स्रोत से सस्ता तेल मिलता है तो उसे पूरी तरह छोड़ देना भारत के लिए आसान नहीं होता। यही वजह है कि अमेरिका के दबाव के बावजूद भारत अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेने की कोशिश करता रहा है।

भारत को दी गई 30 दिन की मौहलत दरअसल एक तरह का कूटनीतिक संदेश है। यह समय भारत को अपनी रणनीति तय करने के लिए दिया गया है, लेकिन इसके साथ ही यह संकेत भी है कि आगे अमेरिका इस मुद्दे पर और सख्ती दिखा सकता है। यह स्थिति भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण संतुलन का सवाल बन जाती है–एक तरफ रणनीतिक साझेदारी और दूसरी ओर ऊर्जा सुरक्षा।

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि वैश्विक राजनीति में प्रतिबंधों की यह संस्कृति धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। बड़ी शक्तियाँ आर्थिक ताकत का इस्तेमाल करके दूसरे देशों के निर्णयों को प्रभावित करना चाहती हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता और वैश्विक व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े होते हैं।

भारत को इस परिस्थिति में अपनी ऊर्जा नीति को और अधिक विविधतापूर्ण बनाना होगा। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, नए तेल आपूर्तिकर्ताओं की तलाश करना और रणनीतिक भंडारण को मजबूत करना समय की मांग है। साथ ही, कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को स्पष्ट करना होगा कि उसकी ऊर्जा जरूरतों पर किसी बाहरी दबाव का असर सीमित ही हो सकता है।

अंततः, यह प्रकरण केवल तेल खरीद का नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का भी संकेत है। भारत जैसे उभरते हुए देश के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए अंतरराष्ट्रीय दबावों का समझदारी से सामना करे। तभी वह अपनी विकास यात्रा को बिना बाधा के आगे बढ़ा पाएगा।

युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है

वहीं अगर ईरान-इजरायल युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता सैन्य संघर्ष केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है। युद्ध के चलते कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से उछलने लगी हैं। अगर यह युद्ध जल्द नहीं थमा, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है।दरअसल, इस संघर्ष का सबसे बड़ा खतरा हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य पर मंडरा रहा है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति गुजरती है। यदि इस मार्ग में व्यवधान आता है या जहाजों की आवाजाही रुकती है, तो वैश्विक तेल बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।हाल के दिनों में इसी आशंका के कारण तेल बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रिपोर्टों के मुताबिक युद्ध के कुछ ही दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया और यह लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया, जो हाल के वर्षों में सबसे तेज साप्ताहिक बढ़ोतरी में से एक है।

यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद हुआ या तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित हुई, तो तेल की कीमतें 100 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इससे वैश्विक महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत बढ़ेगी और कई देशों की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होगी। भारत जैसे देशों के लिए यह संकट और भी गंभीर हो सकता है, क्योंकि भारत अपनी लगभग 90 प्रतिशत तेल जरूरतें आयात से पूरी करता है और उसका बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। ऐसे में तेल महंगा होने का मतलब है–पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई का दबाव और सरकारी वित्त पर अतिरिक्त बोझ।स्पष्ट है कि ईरान-इजरायल युद्ध केवल दो देशों का सैन्य संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीतिक प्रयासों के जरिए जल्द से जल्द तनाव कम करने की दिशा में काम करना होगा। यदि युद्ध की आग फैलती है, तो उसका धुआं पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को घेर सकता है–और कच्चे तेल की कीमतें इसका सबसे बड़ा संकेत होंगी।

अतः युद्ध जितना लंबा चलेगा, तेल बाजार उतना अस्थिर होगा। इसलिए शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व समाचार पत्र , पत्रिकाओं में समसामायिक चिंतक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कलेक्टर ने गर्मी में पानी समस्या से बचाव करने को कहा, सोनिया मीना- गर्मी में ऐसी तैयारी करें, पेयजल को परेशान न हों ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। गर्मियों में संभावित जलसंकट की स्थिति से निपटने के लिए कलेक्टर सोनिया मीना ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग(पीएचई) को कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए है कलेक्टर ने कहा कि गर्मी के मौसम में नागरिकों को पेयजल की कोई समस्या न हो, इसके लिए अभी से आवश्यक तैयारियां की जाएं हैंडपंप सहित अन्य जल स्त्रोतों के सुधार कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए साथ ही पेयजल संबंधी समस्याओं की निरंतर निगरानी कंट्रोल रूम के माध्यम से की जाए ताकि किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। सोमवार को समय सीमा (टीएल) बैठक में यह निर्देश कलेक्टर ने दिए है। उन्होंने कहा नल-जल योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों का वेरिफिकेशन भी करें कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले जल स्त्रोतों एवं संभावित समस्या वाले स्थानों की विस्तृत समीक्षा करें। कहीं भी पेयजल आपूर्ति से संबंधित समस्या उत्पन्न न हो उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से भी पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए इसके अलावा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में आमजन की सुविधा के लिए प्याऊ की व्यवस्था भी संबंधित विभागों द्वारा की जाए कलेक्टर विभिन्न योजनाओं, अभियानों एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए संकल्प से समाधान अभियान सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण, जनसुनवाई प्रकरणों, गेहूं उपार्जन की तैयारियों, जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 तथा ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्थाओं की प्रगति का आकलन करते हुए सभी विभागों को समयसीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी दो दिनों के भीतर सभी अनुविभागों से उपार्जन केंद्रों के प्रस्ताव अनिवार्य रूप से भेजा जाएं।

भारत तीसरी बार बना टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन, चौक पर हुई आतिशबाजी, जश्न मनाने सड़कों पर उतरे लोग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। भारत की टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार जीत के बाद शिवपुरी शहर में देर रात जश्न का माहौल बन गया शहर के प्रमुख माधव चौक पर क्रिकेट प्रेमियों ने एकत्रित होकर आतिशबाजी की तिरंगा लहराया और भारत माता के जयकारे लगाए दरअसल, माधव चौक पर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एलईडी स्क्रीन लगाकर भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल मैच का सीधा प्रसारण किया गया था। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से दर्शकों में उत्साह बना रहा फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 255 रन बनाए थे जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 159 रन ही बना सकी जैसे ही भारत की जीत सुनिश्चित हुई सैकड़ों युवा सड़कों पर उतर आए और माधव चौक पहुंचकर जीत का जश्न मनाने लगे। युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की और हाथों में तिरंगा लेकर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। इस दौरान छोटे बच्चे भी हाथों में तिरंगा लेकर खुशी जाहिर करते नजर आए।

दंपती ने रसायन छोड़ खेती में अपनाया जीवामृत जमीन पर उगाई जैविक फसल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शुद्ध और पौष्टिक भोजन की बढ़ती मांग के बीच एक किसान दंपती पारंपरिक खेती को आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़कर नई इबारत लिख रहा है हिंगानासीर (बुदनी) निवासी देवेंद्र सिंह सिसोदिया और उनकी पत्नी स्वाति सिंह सिसोदिया ने आकर्षक नौकरी के अवसर ठुकराकर पुश्तैनी खेती को ही अपना करियर चुना। आज जैविक खेती, गिर नस्ल की गायों पर आधारित डेयरी और फिश फार्म के सफल संचालन के लिए पहचाने जाते हैं करीब 3 वर्ष पहले उन्होंने 100 एकड़ भूमि पर जैविक खेती की शुरुआत की। रासायनिक उर्वरकों से दूरी बनाते हुए उन्होंने गोबर की खाद को आधार बनाया और गुजरात से गिर नस्ल की गायें मंगवाईं।

फूड-पॉइजनिंग से 40 बीमार

शादी-समारोह का खाना खाने से बिगड़ी तबीयत महिला-पुरुष और बच्चे अस्पताल में भर्ती; स्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैंप

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर जिले में शादी समारोह के बाद बासी खाना खाने से करीब 40 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए खाना खाने के कुछ समय बाद ही एक बाद एक उन्हें उल्टी की शिकायत होने लगी जिससे अफरा-तफरी मच गई स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी बीमार लोगों को तुरंत मस्तूरी के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है। बीमार लोगों में महिलाएं, पुरुष और काफी संख्या में बच्चे शामिल हैं। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की टीम सभी बीमार लोगों की देखभाल और निगरानी कर रही है मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम भी गठित की गई है यह मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम मुकुंदपुर का है फूड पॉइजनिंग में 37 लोग अस्पताल में भर्ती जानकारी के अनुसार, ग्राम मुकुंदपुर के एक परिवार में 7 मार्च को एक शादी समारोह का कार्यक्रम हुआ था इसमें गांव के लोगों के साथ-साथ बाहर से आए रिश्तेदार भी शामिल हुए थे शादी के बाद बचा हुआ खाना दाल, चावल और गोभी की सब्जी अगले दिन लोगों को परोसा गया। खाना खाने के बाद कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी बीमार लोगों को तुरंत मस्तूरी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती किया गया है फूड पॉइजनिंग की खबर मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ग्राम मुकुंदपुर पहुंची पूछताछ में पता चला कि शादी में बचा हुआ खाना अगले दिन लोगों को परोसा गया जिसके बाद लोगों की तबीयत बिगड़ गई लोगों को उल्टी और दस्त की शिकायत होने पर करीब 40 लोगों को अस्पताल ले जाया गया जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं। इनमें से कुछ मरीजों को मस्तूरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है जबकि 15 बीमारों को पामगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है फिलहाल सभी मरीजों की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। मस्तूरी के बीएमओ (ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर) डॉ. अनिल कुमार कंवर ने बताया कि शादी समारोह में सामूहिक भोज के बाद कई लोगों की तबीयत खराब होने लगी इसके बाद उन्हें तुरंत मस्तूरी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उन्होंने कहा फूड पायजनिंग के शिकार लोगों की निगरानी की जा रही है उनका बेहतर इलाज चल रहा है स्वास्थ्य विभाग की टीम को अलर्ट पर रखा गया है।

होटल की छत में चल रहा था हुक्का-बार होटल में संचालक युवाओं को पिला रहा था हुक्का 55 हजार का माल जब्त, मैनेजर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में प्रतिबंध के बाद भी कई जगहों पर बेधड़क हुक्का बार चल रहा है रविवार की रात पुलिस ने रायपुर रोड स्थित होटल शिवा इन में छापेमारी की तब वहां छत पर हुक्का बार चल रहा था होटल संचालक युवाओं को हुक्का पिला रहा था पुलिस ने मैनेजर को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में हुक्का और तंबाकू से जुड़े उत्पाद समेत करीब 55 हजार रुपए का सामान जब्त किया है मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है दरअसल राज्य शासन ने बिलासपुर समेत प्रदेश भर में हुक्का बार को प्रतिबंधित किया है। जिसके बाद से पुलिस अफसरों को होटल बार और क्लब में हुक्का बार बंद कराने के निर्देश दिए गए हैं लेकिन प्रतिबंध के बावजूद शहर के कुछ होटल और क्लब में अवैध तरीके से हुक्का बार संचालित होने की लगातार शिकायतें मिल रही है। एसएसपी रजनेश सिंह ने सभी थाना प्रभारियों के साथ ही पुलिस अफसरों को अपने-अपने क्षेत्र में होटल और बार में अवैध रूप से चल रहे हुक्का बार के संचालन पर से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं इसके बाद भी चकरभाठा क्षेत्र के रायपुर रोड स्थित होटल शिवा इन में पिछले लंबे समय से हुक्का बार चलाने की शिकायत मिल रही थी जिस पर रविवार की रात एसएसपी रजनेश सिंह ने एसीसीयू की टीम को छापेमारी करने के निर्देश दिए टीम जब होटल में पहुंची तब छत में हुक्का बार संचालित किया जा रहा था जहां युवक-युवती हुक्का पी रहे थे।

हुक्का पॉट, कोल और फ्लेवर समेत 55 हजार का मॉल जब्त: इस रेड के दौरान होटल की छत पर हुक्का का टेबल सजा हुआ था जांच के दौरान टीम ने 12 हुक्का पॉट, 6 पैकेट कोको जेल कोयला, 12 स्टैंड, 12 चिलम, 12 पाइप, 1 कोल हीटर, 3 प्लास्टिक डिब्बों में अलग-अलग तंबाकू युक्त फ्लेवर और 5 हजार रुपए नगद समेत 55 हजार रुपए के माल जब्त किए पूछताछ के बाद पुलिस ने हुक्का बार चलाने वाले मैनेजर सिद्धार्थ गुप्ता (39) को गिरफ्तार किया है।

बजरंग दल नेता की कार में तोड़फोड़, जेल से छूटे 2 छात्र एफआईइआर रद्द कराने पहुंचे एसपी ऑफिस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। देहात थाना क्षेत्र में बजरंग दल के विभाग संयोजक की कार में तोड़फोड़ के मामले में जमानत पर जेल से छूटे दो नामजद छात्र सोमवार को अपने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक (स्क) कार्यालय पहुंचे। छात्रों ने राजनीतिक दबाव में झूठा फंसाने का आरोप लगाते हुए दर्ज एफआईआर की निष्पक्ष जांच कर प्रकरण को शून्य करने और केस डायरी किसी अन्य अधिकारी को सौंपने की मांग की है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी आर.के. पुरम निवासी बीए प्रथम वर्ष के छात्र दिव्यम सैनी और इंजीनियरिंग छात्र आशुतोष लोधी पर बजरंग दल नेता की कार में तोड़फोड़ का आरोप है यह घटना 27 फरवरी की रात करीब साढ़े 10 बजे की बताई जा रही है जिसके बाद थाना देहात में दोनों छात्रों के खिलाफ अपराध क्रमांक 75/2026 दर्ज किया गया था।

गिरफ्तारी के बाद जेल भेजे गए थे छात्र: घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, हालांकि बाद में उन्हें न्यायालय से जमानत मिल गई थी एसपी कार्यालय पहुंचे दोनों छात्रों ने दावा किया है कि उन्हें इस पूरे विवाद में झूठा फंसाया गया है

करियर खराब होने का डर, कठोर धाराओं का विरोध: छात्रों का कहना है कि पुलिस ने बिना पूरी जांच किए उनके खिलाफ सीधे कठोर धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की है। उनका कहना है कि पुलिस की इस कार्रवाई से उनके भविष्य और करियर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है इससे पहले 3 मार्च को भी दोनों छात्रों की माताएं सुषमा सैनी और रामश्री लोधी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची थीं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि राजनीतिक प्रभाव के चलते पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की और उनके परिवार का पक्ष ठीक से नहीं सुना गया।

केस डायरी दूसरे अधिकारी को सौंपने की अपील: परिजनों ने एसपी से एक बार फिर मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और केस डायरी किसी अन्य अधिकारी को सौंपी जाए। परिजनों ने यह भी अनुरोध किया है कि यदि जांच में कोई त्रुटि सामने आती है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए।

मारपीट-उपद्रव के तीन आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने जुलूस निकालकर एसडीएम कोर्ट में पेश किया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की है पुलिस ने सोमवार को कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें कार सवार परिवार से मारपीट करने वाले दो व्यक्ति और सार्वजनिक स्थान पर उपद्रव मचाने वाला एक युवक शामिल है सभी आरोपियों को जुलूस निकालकर एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया पहला मामला थीम रोड स्थित मधुरम स्वीट्स के पास का है। रविवार दोपहर नाई की बगिया निवासी रामनिवास शर्मा (65) अपने परिवार के साथ कार से माधव चौक से ग्वालियर बायपास जा रहे थे इसी दौरान एक इलेक्ट्रिक स्कूटी से टक्कर होने के बाद विवाद शुरू हो गया। रामनिवास शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई कि अरबाज खान सहित 3-4 लोगों ने उनके और उनके बेटे संयोग पाराशर के साथ गाली-गलौज और मारपीट की बीच-बचाव करने आईं उनकी बहू सोनम शर्मा के साथ भी धक्का-मुक्की हुई, जिससे उनके कान का सोने का टॉप्स गिरकर खो गया पुलिस ने इसे केस में मामला दर्ज किया अरबाज खान और इसरार खान को गिरफ्तार कर उनका जुलूस निकाला गया और उन्हें एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया।

6 दिन चलेगा जन सुरक्षा अभियान, होमगार्ड ने संभाली कमान, बाढ़-भूकंप-बिजली-आग जैसी आपदाओं से बचाव के तरीके सिखाएंगे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। आपदा बचाव एवं जन सुरक्षा जागरूकता अभियान की सोमवार को शुरुआत हुई पहले दिन सुबह 8 बजे डिप्टी कलेक्टर बबिता राठौर ने कलेक्ट्रेट गेट से हरी झंडी दिखाकर जन जागरूकता साइकिल रैली को रवाना किया। अमृता शर्मा दीक्षित प्लाटून कमांडेट के नेतृत्व में रैली निकली सुरक्षित और स्वस्थ समाज का संदेश देने के लिए रैली निकली जिसमें एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, होमगार्ड के जवान मौजूद रहे। कलेक्ट्रेट गेट से रैली निकालकर सदर बाजार, सर्किट हाउस चौराहा, मुख्य बाहर, मीनाक्षी चौक होते हुए होमगार्ड ऑफिस पहुंची जहां रैली का समापन हुआ प्लाटून कमांडर शिवराज चौधरी, एसआई सुन्दर लाल मरावी के द्वारा आपदा प्रबंधन, प्राकृतिक घटनाओं के समय बचाव के उपाय और सुरक्षित रहने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। 6 दिन जिलेभर में चलेंगे कार्यक्रम प्लाटून कमांडेंट अमृता दीक्षित ने बताया आपदा बचाव एवं जन सुरक्षा जागरूकता अभियान 2025-26 के अंतर्गत 9 से 14 मार्च तक जिलेभर में अलग अलग गतिविधियां होगी। पहले दिन जागरूकता साइकिल रैली निकाली गई। 10 मार्च को सांडिया में आकाशीय बिजली गिरने, भूकंप, अग्नि एवं प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं से जन सामान्य को बचाव व पूर्व तैयारियों से संबंधित विषय पर कार्यक्रम होगा। 11 मार्च को विवेकानंद घाट, सेठानी घाट पर स्वच्छता अभियान, घाटों पर साबुन, शैंपू, कपड़े धोने से रोकने, गहरे पानी में नहीं जाने की अपील करेंगे और डूबने पर बचाने के तरीके बताएंगे। 12 मार्च को आंवली घाट, 13 मार्च को सोहागपुर और 14 मार्च को इटारसी में कार्यक्रम होंगे।

विजयपुर से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव निरस्त

नामांकन में क्रिमिनल रिकॉर्ड छिपाया था; ग्वालियर हाईकोर्ट ने रामनिवास को एमएलए घोषित किया

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। हाईकोर्ट ने विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द कर दिया है। बेंच के जस्टिस जी.एस. अहलूवालिया ने यह फैसला नेता और पूर्व मंत्री रामनिवास रावत की याचिका पर सुनाया रावत अब विजयपुर विधानसभा सीट से नए एमएलए होंगे रामनिवास रावत ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि मुकेश मल्होत्रा ने 2024 के उपचुनाव नॉमिनेशन में अपने खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस की पूरी जानकारी नहीं दी थी मुकेश ने 4 क्रिमिनल रिकॉर्ड बताए थे जबकि 2 केस छिपाए थे। याचिका में रावत ने मल्होत्रा के खिलाफ दर्ज सभी 6 क्रिमिनल केस की जानकारी दी थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि रामनिवास रावत उपचुनाव में दूसरे नंबर पर आए थे इसलिए मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द किया जाता है। मुकेश मल्होत्रा के वकील प्रतीप बिसोरिया ने बताया कि उम्मीदवार राम निवास रावत की फाइल की गई पिटीशन में दो मामलों में जानकारी छिपाने का आरोप लगाया गया है एक जिसमें निपटारा हो चुका था। दूसरा जिसमें आरोपों के बारे में जानकारी छिपाने की बात थी।

महिला ने बेटे को जहर खिलाया, खुद भी खाया इलाज के दौरान महिला की मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। घंघोरा गांव में रविवार रात एक महिला ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की महिला ने अपने 14 वर्षीय बेटे को भी जहर पिला दिया परिजन दोनों को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई जबकि बेटे का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार घंघोरा गांव निवासी 35 वर्षीय बोटों बंजारा ने अज्ञात कारणों के चलते यह कदम उठाया घटना के बाद परिजन मां-बेटे को तत्काल मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया जबकि बच्चे की हालत पर डॉक्टर लगातार नजर बनाए हुए हैं और उसका उपचार जारी है बताया जा रहा है कि महिला का पति मजदूरी के सिलसिले में जिले से बाहर रहता है फिलहाल महिला द्वारा यह कदम उठाने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

जमीन विवाद में भाई की हत्या पिता, बेटा और एक रिश्तेदार को आजीवन कारावास

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के रावटी क्षेत्र में घर के बाहर सो रहे 53 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के मामले में कोर्ट ने मृतक के सगे भाई, भतीजा व एक रिश्तेदार को आजीवान कारावास की सजा दी है। कोर्ट ने पुलिस द्वारा मौत के पहले लिए गए घायल के वीडियो को मृत्यु पूर्व बयान मानकर सजा का फैसला सुनाया है। फैसला सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश राजेश नामदेव ने दिया है।

घर में सो रहे थे तभी लाठी-डंडों से किया हमला : अपर लोक अभियोजक एवं शासकीय अधिवक्ता समरथ पाटीदार ने बताया कि 21 मई 2025 की रात रावटी क्षेत्र के गांव उमरबट्टा में फरियादी रामचन्द्र (53) पिता पूनाजी गरवाल एवं उसकी पत्नी ऐता बाई घर के बाहर सो रहे थे। रात 11.30 बजे रामचंद्र का छोटा भाई गोबा (52) पिता पूनाजी गरवाल, उसका बेटा राजू (24) और रिश्तेदार तेलिया (49) पिता दुलजी गरवाल निवासी उमरबट्टा मां की जमीन विवाद के मामले की पुरानी रंजिश को लेकर वहां आए। इन्होंने रामचंद्र को जान से मारने की नीयत से लट्?ठ व लाठियों से हमला कर दिया।

इलाज के दौरान मौत : मारपीट से रामचंद्र के सिर में, दोनों हाथों पर और पीठ पर चोट आई। रामचंद्र की पत्नी ऐता उर्फ रीता बाई को सिर में, पीठ व गर्दन पर चोट आई। रामचंद्र के शोर मचान पर आवाज सुन उसका छोटा भाई पेमा और उसका जमाई राजेश वहां आए। तब तीनों आरोपी वहां से भाग गए। बाद में दोनों को इलाज के लिए रावटी अस्पताल ले जाया गया। जहां से दोनों को रतलाम रेफर कर दिया। रावटी थाने के हेड कॉन्स्टेबल आतिश धानक ने रतलाम आकर रामचंद्र की रिपोर्ट लिखी और उसका वीडियो भी बनाया। मेडिकल कॉलेज रतलाम में इलाज के दौरान रामचंद्र की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। लाठियां व उनके खून लगे हुए कपड़े जब्त कर सारे सबूत कोर्ट में पेश किए।

वीडियो में दिए गए बयान को माना आधार : अधिवक्ता पाटीदार के अनुसार दोनों भाइयों में मां के नाम की जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। मौत से पहले रिपोर्ट लिखवाते समय दिए गए बयान के वीडियो को कोर्ट ने मृत्यु पूर्व बयान माना। इसी आधार पर तीनों को आजीवन कारावास की सजा दी है। साथ ही 15 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। दोषी भाई, भतीजा और रिश्तेदार घटना के बाद से ही जेल में बंद है। एसपी अमित कुमार ने इस केस को चिन्हित व सनसनीखेज घोषित किया था। न्यायालय में अभियोजन की ओर से 11 गवाह, 68 दस्तावेज व 33 आर्टिकल पेश किए गए। कोर्ट में मामला पेश करने के 6 महीने बाद ही मामले फैसला आ गया।

सजा के यह भी रहे आधार : मौत के पहले रिपोर्ट लिखाते समय घायल रामचंद्र ने जो घटना बताई थी उसके वीडियो को न्यायालय ने रामचंद्र का मृत्युकालीन कथन माना।

बस से बाथरूम करने उतरे युवक को डंडों से पीटा सागर- इंदौर से पन्ना जा रहे लड़के के सिर में चोट

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के बस स्टैंड के पास यात्री के साथ बदमाशों ने मारपीट की। यात्री गंभीर घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पुलिस ने मामला जांच में लिया है। घायल के परिजन पन्ना से सागर पहुंचे हैं। जानकारी के अनुसार, शिवम पिता श्रीराम पटेल उम्र 30 साल निवासी ग्राम कमलपुरा (पन्ना) रविवार को इंदौर से ओम सांईराम ट्रेवल्स की बस में पन्ना की यात्रा कर रहा था। सोमवार तड़के बस सागर बस स्टैंड पर पहुंची। जहां शिवम बाथरूम करने के लिए बस से नीचे उतरा। इसी दौरान स्कूटी पर सवार तीन युवक आए और शिवम के साथ डंडों से मारपीट की। मारपीट में युवक के सिर में गंभीर चोट लगी। घटना कर बदमाश मौके से भाग गए। घायल को ऑटो चालकों ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

वो किसी को ढूंढ रहे थे, मुझे मार दिया : घायल शिवम पटेल ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे बस स्टैंड के पास बस से नीचे उतरकर बाथरूम गया था। इसी दौरान स्कूटी पर सवार तीन युवक आए। वे बस में चढ़ गए। कुछ देर बाद नीचे उतरे। उन्होंने मुझे देखा और बोले कि यह नहीं है। शायद वह किसी को तलाश रहे थे। मैं बस में चढ़ने लगा तभी पीछे से उन्होंने सिर पर दो डंडे मारे। मैं गिर पड़ा। इसी दौरान और मारपीट की गई। मारपीट कर वह भाग गए। लेकिन बस स्टाफ ने कोई मदद नहीं की। अस्पताल भी नहीं पहुंचाया। आटो चालकों ने मुझे बीएमसी में भर्ती कराया है। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही घायल के पिता श्रीराम पटेल पन्ना से सागर पहुंच गए हैं। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी है।

मंदसौर में युवती ने लगाई फांसी, मौत कमरे से डायरी मिली, कुछ महीने पहले टूटा था रिश्ता

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के श्रीनाथ विहार क्षेत्र से रविवार रात एक युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 25 वर्षीय काजल नामक युवती ने अपने ही घर में फांसी का फंदा बनाकर लटक गई। परिजनों ने युवती को फंदे पर लटका देख उसे तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 25 वर्षीय काजल पिता ओमप्रकाश खींची श्रीनाथ विहार में अपने परिवार के साथ रहती थी। घटना के समय घर के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे। इसी दौरान काजल घर की दूसरी मंजिल पर बने कमरे में गई और जीवन लीला समाप्त कर ली।

कुर्सी और स्टूल की मदद से लगाई फांसी : युवती ने पहले कमरे में कुर्सी रखी, उसके ऊपर स्टूल लगाया और फिर फांसी के फंदे पर झूल गई। कुछ समय बाद परिजनों को घटना की जानकारी लगी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

कुछ महीने पहले टूटा था रिश्ता : विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार काजल का रिश्ता पहले तय हो चुका था और जिस युवक से उसका संबंध तय हुआ था वह सेना में पदस्थ है लेकिन पारिवारिक कारणों के चलते कुछ महीने पहले यह रिश्ता टूट गया था। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

कमरे से डायरी मिली, पुलिस ने जब्त की : सूत्रों के अनुसार पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो मृतका के कमरे से एक डायरी बरामद हुई है। बताया जा रहा है कि युवती उसमें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी बातें लिखा करती थी। हालांकि आत्महत्या से पहले उसने उसमें क्या लिखा है, इस संबंध में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने डायरी को अपने कब्जे में ले लिया है।

नर्मदापुरम में किशोरी का 21साल के युवक ने हाथ पकड़ा विरोध करने पर की मारपीट

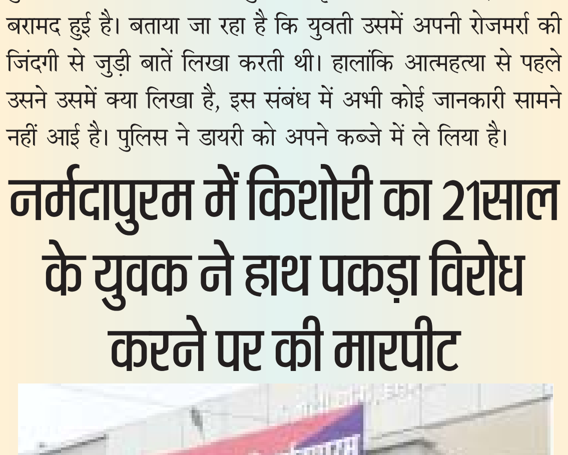

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के कोतवाली थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में 17 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। घटना शनिवार शाम करीब 4:30 बजे की बताई जा रही है। किशोरी की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक किशोरी अपने मोहल्ले में थी, तभी उसी क्षेत्र में रहने वाला आरोपी विशाल पिता प्रदीप (21) वहां पहुंचा और उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ करने लगा। जब किशोरी ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 (छेड़छाड़), धारा 115 (मारपीट) और धारा 351 (आपराधिक धमकी) के तहत केस दर्ज किया है। एसआई दीपिका लोखंडे ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

बाहर काम करने जा रहे लोग, गांव में मजदूर कम बुरहानपुर में मशीनों से कटवाना पड़ रही गेहूं की फसल

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में हर साल बड़े पैमाने पर ग्रामीण मजदूरों का दूसरे राज्यों में पलायन होता है। इस वर्ष भी मजदूरों की कमी के कारण किसानों को खेतों में गेहूं कटाई के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ऐसे में कई किसान अब मशीनों का उपयोग कर रहे हैं। नेपानगर तहसील के ग्रामीण इलाकों में गेहूं कटाई का काम जोरों पर है, लेकिन मजदूरों की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

ग्रामीण मजदूरों का रोजगार की तलाश में शहरों की ओर बढ़ता पलायन इसका मुख्य कारण है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पहले खेती-किसानी के लिए पर्याप्त मजदूर उपलब्ध होते थे। गेहूं, सोयाबीन और मक्का जैसी फसलों की बुआई से लेकर कटाई तक का अधिकांश काम मजदूरों द्वारा ही किया जाता था। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में बेहतर रोजगार, अधिक मजदूरी और स्थायी काम की तलाश में कई ग्रामीण मजदूर इंदौर, सूरत और मुंबई जैसे बड़े शहरों की ओर रुख कर रहे हैं। शहरों में निर्माण कार्य, फैक्ट्रियों और अन्य क्षेत्रों में काम के अधिक अवसर मिलने के कारण ग्रामीण मजदूर वहां जाना पसंद कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, गांवों में खेतों में काम करने वाले मजदूरों की संख्या लगातार घट रही है, जिसका सीधा असर कृषि कार्यों पर पड़ रहा है। ग्राम घाघरला के किसानों ने बताया कि फसल तैयार होने के बाद उसकी समय पर कटाई अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। मजदूरों की अनुपलब्धता के कारण कटाई में देरी होने से आंधी, बारिश या अन्य मौसमी आपदाओं से फसल को नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए अब किसान गेहूं काटने वाली मशीनों और अन्य आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं।

सीहोर के निपानिया खुर्द में खेत में लगी आग

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम निपानिया खुर्द में सोमवार दोपहर एक खेत में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई। इस घटना में लगभग 20 क्विंटल गेहूं जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस आगजनी से सुरेश, सजन सिंह, हरिप्रसाद और कमल सिंह नामक ग्रामीणों को नुकसान हुआ है।फायर ब्रिगेड टीम के सदस्य शफीक खान ने बताया कि उन्हें निपानिया खुर्द में खेत में खड़ी गेहूं की फसल में आग लगने की सूचना मिली थी।

नियमों की अनदेखी कर शिफ्ट हुई न्यू आदर्श आईटीआई! शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं, युवाओं के भविष्य पर सवाल

मीडिया ऑडीटर, सेमरिया रीवा (निप्र)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी Skill India Mission योजना के तहत देश के युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की पहल की जा रही है लेकिन रीवा जिले के सेमरिया में संचालित एक निजी आईटीआई पर नियमों को ताक पर रखकर संचालन करने के गंभीर आरोप सामने आए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार सेमरिया में संचालित न्यू आदर्श आईटीआई (कोड-PU23000426) वर्ष 2014 से संचालित है। इस संस्थान को इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में 120 छात्रों को प्रशिक्षण देने की मान्यता प्राप्त है। लेकिन आरोप है कि संस्थान के संचालक ने नियमों का पालन किए बिना ही आईटीआई का स्थान बदल दिया।

बताया जा रहा है कि यह आईटीआई पहले रीवा रोड क्षेत्र में संचालित थी जिसे बाद में बिना किसी वैधानिक अनुमति के सतना रोड पेट्रोल पंप के पास सेमरिया में स्थानांतरित कर दिया गया। जबकि नियमों के अनुसार किसी भी आईटीआई को अपना पता या स्थान बदलने से पहले संबंधित विभाग और Directorate General of Training (डीजीटी) से अनुमति लेना अनिवार्य होता है।

सूत्रों के मुताबिक इस मामले को लेकर कई बार शिकायत भी की जा चुकी है, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो इसका खामियाजा सीधे तौर पर उन छात्रों को भुगतना पड़ेगा जो यहां प्रशिक्षण ले रहे हैं।

इस पूरे मामले में रीवा क्षेत्र के संयुक्त संचालक प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कई बार शिकायत और जानकारी मिलने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर गंभीरता नहीं दिखाई।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी संस्थानों में नियमों का पालन बेहद जरूरी है क्योंकि यह सीधे छात्रों के भविष्य से जुड़ा विषय होता है। यदि बिना अनुमति संस्थान का संचालन या स्थान परिवर्तन किया जाता है तो इससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और मान्यता दोनों पर प्रभाव पड़ सकता है।

फिलहाल यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखने वाली बात यह होगी कि संबंधित विभाग इस मामले में जांच कर क्या कार्रवाई करता है और क्या नियमों की अनदेखी करने वालों पर कोई सख्त कदम उठाया जाता है या नहीं।

सीहोर में 960 बच्चों का टीकाकरण 107 गर्भवती महिलाओं की जांच

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं और बच्चों को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान जिले की अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थाओं और शिविरों के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। इन शिविरों को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार हाल ही में आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष तक की आयु के 700 बच्चों का टीकाकरण किया गया। वहीं एक वर्ष से अधिक आयु के 260 बच्चों को भी टीके लगाए गए। इसके अलावा 107 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच भी की गई। बालिकाओं को भी लगाई जा रही एचपीवी वैक्सीन स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को भी टीका लगा रहा है।

इस अभियान के तहत अब तक जिले में 70 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन दी जा चुकी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे गंभीर कैंसर है।

इस बीमारी से बचाव के लिए भारत सरकार द्वारा देशभर में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है, जो अगले तीन महीनों तक चलाया जाएगा।

नशे में धुत युवक बोला- लाश पड़ी है, जल्दी आओ

पिता ने मां को मार डाला जंगल में शव तलाश करती रही पुलिस सूचना झूठी, युवक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। रंगपंचमी पर रंग में भंग का एक अजब-गजब मामला खंडवा में देखने को मिला हैं। यहां नशे में धुत युवक ने डायल 112 को सूचना देकर कहा कि- उसके पिता ने मां को मार डाला है। गला काटकर लाश को जंगल में फेंक दिया। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जंगल में सर्चिंग की लेकिन कुछ नहीं मिला। सूचना झूठी थी, जिस पर पुलिस ने कॉलर युवक को दबोचा और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामला थाना जावर का है, यहां ग्राम चिचली के रहने वाले प्रकाश पिता कन्हैया ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को बताया कि उसके पिता ने उसकी मां की हत्या कर दी है और लाश पड़ी हुई है। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए जावर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस जब घर पहुंची तो पाया कि जिस महिला के बारे में हत्या की बात कही गई थी, वह घर में आराम से सो रही थी और पूरी तरह सुरक्षित थी। पुलिस ने जब प्रकाश से इस बारे में पूछा तो उसने एक और चौंकाने वाली बात कह दी। उसने कहा कि उसके पिता ने उसकी दूसरी मां का गला काट दिया है। युवक की इस नई जानकारी के आधार पर पुलिस ने गांव और आसपास के इलाकों में तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम रातभर गांव, खेत और जंगलों में कथित लाश की तलाश करती रही, लेकिन कहीं भी कोई शव या घटना के सबूत नहीं मिले। लगातार खोजबीन के बाद जब पुलिस ने मामले की गहराई से जांच की तो सच्चाई सामने आई। जांच में पता चला कि प्रकाश शराब के नशे में था और उसने बिना किसी कारण के पुलिस को झूठी सूचना दे दी थी। उसकी इस हरकत से पुलिस का काफी समय और संसाधन बेवजह खर्च हो गए। मामले की सच्चाई सामने आने के बाद जावर पुलिस ने झूठी सूचना देने वाले प्रकाश पिता कन्हैया के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

आपातकालीन सेवा का दुरूपयोग नहीं होना चाहिए : डीएसपी हेडक्वार्टर अनिलसिंह चौहान ने बताया कि, कोई भी व्यक्ति डायल 112 जैसी आपातकालीन सेवा का दुरुपयोग न करें। झूठी सूचना देने से न केवल कानूनन कार्रवाई होती है, बल्कि किसी वास्तविक आपात स्थिति में जरूरतमंद व्यक्ति तक पुलिस की मदद पहुंचने में भी देरी हो सकती है। संबंधित युवक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कुमरोल गांव में बाड़े में लगी आग

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। खुरई के कुमरोल गांव में एक घर के बाड़े में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

यह घटना कुमरोल गांव के कप्तान सिंह राजपूत के बाड़े में हुई। आग तेजी से फैलते हुए अभिषेक ठाकुर के बाड़े तक पहुंच गई थी।ग्रामीणों ने पहले अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग लगातार बढ़ती रही। इसके बाद तत्काल डॉयल 112 को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही डॉयल 112 और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों से आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया। समय रहते आग बुझने से पूरे गांव में फैलने का खतरा टल गया।

पृथ्वी शॉ ने गर्लफ्रेंड आकृति अग्रवाल से की सगाई, सनी लियोनी के साथ फिल्म में कर चुकी है काम

दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ ने अपनी गर्लफ्रेंड आकृति अग्रवाल के साथ सगाई की घोषणा कर दी है। रविवार को शॉ ने सोशल मीडिया पर कुछ खास तस्वीरें साझा करते हुए अपने फैंस को यह खुशखबरी दी। सगाई की तस्वीरें सामने आते ही इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गई और क्रिकेट फैंस के साथ-साथ कई सेलेब्रिटीज ने भी उन्हें बधाई दी। शॉ ने भावुक कैप्शन के साथ अपनी जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत का जिक्र किया, जिसने उनके फॉलोअर्स के बीच खास उत्साह पैदा कर दिया।

सोशल मीडिया पर शेयर की सगाई की तस्वीरें: पृथ्वी शॉ ने इंस्टाग्राम पर सगाई की छोटी सी सेरेमनी की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में दोनों बेहद खुश नजर आ रहे थे और परिवार के करीबी लोग भी समारोह में शामिल दिखाई दिए।

तस्वीरों के साथ शॉ ने एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। उन्होंने लिखा कि मैदान पर छक्के लगाने से लेकर जिंदगी की पारी साथ खेलने तक, आकृति उनके लिए एक परफेक्ट पार्टनर हैं। पोस्ट सामने आने के बाद फैंस ने कमेंट सेक्शन में बधाइयों की झड़ी लगा दी। कई क्रिकेट प्रेमियों और सोशल मीडिया यूजर्स ने इस जोड़ी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कौन हैं आकृति अग्रवाल: शॉ की मंगेतर आकृति अग्रवाल एक एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उन्हें पहले भी कई मौकों पर शॉ के साथ देखा गया है। दोनों के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा होती रहती थी। 2 मई 2003 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में जन्मीं आकृति अग्रवाल अपने परिवार के साथ छोटी उम्र में ही मुंबई आ गई थीं। उन्होंने मुंबई के निर्मला मेमोरियल फाउंडेशन कॉलेज से बैचलर ऑफ मैनेजमेंट की है।

सोशल मीडिया स्टार बनने के साथ ही आकृति फिल्मों में भी आ चुकी हैं।

जनवरी में उनकी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म त्रिमुखा रिलीज हुई थी. फिल्म में सनी लियोनी लीड रोल में थीं। सगाई की घोषणा के बाद यह रिश्ता अब आधिकारिक रूप से सार्वजनिक हो गया है, जिससे शॉ के फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है।

अर्जुन तेंदुलकर की शादी के बाद आई खुशखबरी

शॉ की सगाई की खबर ऐसे समय आई है जब हाल ही में उनके बचपन के दोस्त अर्जुन तेंदुलकर ने भी शादी की है। क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने इसी सप्ताह की शुरुआत में सानिया चंडोक के साथ शादी की थी। ऐसे में शॉ की सगाई की खबर ने क्रिकेट जगत में एक और खुशी का माहौल बना दिया।

आईपीएल में वापसी पर रहेगा फोकस

सगाई के जश्न के बाद पृथ्वी शॉ जल्द ही अपना ध्यान क्रिकेट की ओर केंद्रित करेंगे। वह आगामी सीजन में Indian Premier League में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते नजर आएंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें ऑक्शन में 75 लाख रुपये में खरीदा है। हालांकि टीम की प्लेइंग इलेवन में उन्हें नियमित जगह मिलती है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी।

आईपीएल करियर और वापसी की कोशिश

पृथ्वी शॉ ने 2018 में आईपीएल में डेब्यू किया था और तब से वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते आए हैं। अब तक खेले गए 79 मैचों में उन्होंने लगभग 24 के औसत और 147.46 के स्ट्राइक रेट से 1,892 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 14 अर्धशतक भी दर्ज हैं। हालांकि पिछले कुछ सीजन में खराब फॉर्म के कारण उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा। यही वजह रही कि आईपीएल 2025 के ऑक्शन में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला था।

घरेलू क्रिकेट से वापसी के संकेत

हाल के समय में शॉ ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए वापसी के संकेत दिए हैं। महाराष्ट्र के लिए खेलते हुए उन्होंने बेहतर फॉर्म दिखाई, जिससे उन्हें एक बार फिर आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने में मदद मिली। अब शॉ की कोशिश होगी कि वह इस मौके का पूरा फायदा उठाएं और आईपीएल में अपनी पुरानी लय हासिल करें। उनकी निजी जिंदगी में आई यह नई खुशखबरी भी उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

दुखों का पहाड़ टूटने पर नहीं टूटे इशान किशन

फाइनल से पहले बहन और जीजा को खो दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने रविवार (9 मार्च) को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीत लिया। भारत की जीत में बिहार के लाल इशान किशन ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अर्धशतक जड़ने के

अलावा 3 कैच भी पकड़े और भारत की जीत का जश्न मनाते दिखे और अपने दुख को जाहिर नहीं होने दिया। फाइनल से पहले इशान किशन ने अपनी चचेरी बहन और जीजा को खो दिया। इसके कारण उनके पिता प्रणव पांडे फाइनल देखने अहमदाबाद नहीं पहुंच पाए। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार शुक्रवार (8 मार्च) को प्रणव पांडे विमान पकड़ने के लिए पटना एयरपोर्ट रवाना हुए तो उन्हें कार दुर्घटना की दिल तोड़ देने वाली खबर मिली। सिलीगुड़ी में इशान की चचेरी बहन और जीजा शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे तभी सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। दोनों की मौत हो गई, लेकिन दो बच्चे बच गए। इनमें से एक केवल छह महीने का है और दूसरे की उम्र 3 साल है।

इशान किशन परिवार के पास जाना चाहते थे– इशान के पिता प्रणव ने कहा, 'अनर्थ हो गया। हम लोग बहुत बड़ी मुसीबत में हैं।हम सब सदमे में हैं। इशान हमसे मिलने आना चाहता था, लेकिन फाइनल की वजह से वह वापस नहीं आ सका। वह बहुत परेशान है।

हिस्ट्री रिपीट, हिस्ट्री डिफीट

• ओपनिंग की समस्या, साउथ अफ्रीका से हार; कैसे गिरकर संभली टीम इंडिया और रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया ने जीतकर इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले लगातार एक स्लोगन चल रहा था, हिस्ट्री रिपीट, हिस्ट्री डिफीट। अब टीम इंडिया ने हिस्ट्री को रिपीट भी किया और हिस्ट्री को डिफीट भी कर दिया है। भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में चीजें शुरू से आसान नहीं थीं। फिर भी टीम गिरी, उठी और फिर संभली और अब चैंपियन बन गई है। भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप लगातार दूसरी बार जीता है। इसलिए हम कहे रहे हैं टीम इंडिया ने हिस्ट्री को रिपीट किया है। इससे पहले दुनियाभर की कोई भी टीम लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाई थी। इसलिए टीम इंडिया ने हिस्ट्री को डिफीट किया यानी हराया। साथ ही भारतीय टीम अपने घर पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भी पहली टीम बनी है।

यूएसए के खिलाफ शुरुआत ने डरा दिया था...– भारतीय टीम ने यूएसए के खिलाफ जिस तरह शुरुआत की थी सभी फैंस की उम्मीदों को झटका लगने लगा था। फिर कप्तान डटे और खड़े हुए। उन्होंने पारी को संभाला।

• **साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार ने हिला–** डाला सुपर 8 के पहले मैच में ही टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका से हार मिली और सभी फैंस की उम्मीदें लगभग टूटने लगीं। यहां से टी20 वर्ल्ड कप जीतना छोड़िए, सेमीफाइनल की उम्मीदें भी धूमिल हो रही थीं। इसके बाद जिम्बाब्वे की चुनौती थी जो प्रोटियाज से हारने के बाद पहाड़ जैसी लग रही थी। मगर यह टीम वापस उठी, संभली और फिर दिखाया कि क्यों यह डिफेंडिंग चैंपियन है। उसके बाद भारत के लिए फिर से पुरानी ओपनिंग जोड़ी संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की वापसी हुई। अभिषेक का फॉर्म अभी भी चिंता का विषय था लेकिन संजू ने जो वापसी की उसके बाद सभी की उम्मीदें फिर से जाग उठीं। भारत ने फिर वहां से पीछे मुड़कर नहीं देखा। जिम्बाब्वे को हराया, वर्चुअल क्वार्टरफाइनल में वेस्टइंडीज को मात दी और फिर सेमीफाइनल में इंग्लैंड को भारत ने धूल चटाई। अब उसके बाद फाइनल में इस टीम ने मजबूत मानी जा रही कीवी टीम को चारों खाने चित कर दिया। न्यूजीलैंड की टीम फाइनल में एकतरफा मुकाबला हार गई। भारत ने पहले खेलते हुए 255 रनों का विशाल स्कोर बनाया।

विश्व विजेता भारत : तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप पर जमाया कब्जा, देशभर में जश्न का माहौल

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में खिताब जीतने वाली पहली मेजबान टीम भी बन गई है।

फाइनल में रनों का पहाड़ और रिकॉर्ड्स की झड़ी टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 255 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत की ओर से संजू सैमसन ने तूफानी पारी खेलते हुए मार्लोन सैमुअल्स के 85 रनों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। टीम ने महज 7.2 ओवर में ही अपने 100 रन पूरे कर लिए थे।न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी हार 256 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम 159 रनों पर सिमट गई। रनों के लिहाज से यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल की सबसे बड़ी जीत है, वहीं न्यूजीलैंड के लिए यह इस स्तर पर अब तक की सबसे शर्मनाक हार साबित हुई।

पावरप्ले का दबदबा भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और पावरप्ले में वर्ल्ड कप के सबसे बड़े स्कोर (92/1) की बराबरी की। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए देश को एक बार फिर विश्व विजेता का गौरव दिलाया है।

सूर्यकुमार यादव ने की एमएस धोनी की बराबरी

रोहित से निकले आगे; गौतम गंभीर ने भी रच दिया इतिहास

भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतकर अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर लिया है। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बतौर कप्तान विश्व चैंपियन बनते ही एमएस धोनी की बराबरी कर ली है। इतना ही नहीं भारत को पिछले वर्ल्ड कप में चैंपियन बनाने वाले रोहित शर्मा से भी सूर्या आगे निकल गए हैं। साथ ही गौतम गंभीर ने इतिहास रच दिया है।

गौतम गंभीर अब बतौर कोच और बतौर खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। गौतम ने बतौर खिलाड़ी 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीता था और अब वह बतौर कोच भी टी20 वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। टीम इंडिया के हेड कोच ने इतिहास रच दिया है। गौतम गंभीर टी20 वर्ल्ड कप में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन गए हैं।

रोहित से आगे और धोनी के बराबर पहुंचे सूर्या– रोहित शर्मा ने भारत के लिए 2024 में बतौर कप्तान टी20 वर्ल्ड कप जीता था। रोहित का बतौर कप्तान वह दूसरा टी20 वर्ल्ड कप था। जबकि सूर्यकुमार यादव ने बतौर कप्तान अपने पहले वर्ल्ड कप में ही खिताब जीत लिया है। इस मामले में सूर्यकुमार यादव रोहित से आगे निकले। वहीं एमएस धोनी ने भी साल 2007 में बतौर कप्तान अपने पहले सीजन में ही खिताब जीता था। यानी अब सूर्या इस मामले में धोनी के बराबर पहुंच गए हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद टीम के कप्तान बने थे और तब से वह एक भी सीरीज नहीं हारे थे। साथ ही एशिया कप उन्होंने जीता और अब अपनी कप्तानी में टीम को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया।

भारत ने बनाए तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड– टीम इंडिया तीसरा टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनी है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम लगातार दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनी है। साथ ही घरेलू सरजमीं पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला भी भारत पहला देश बना है।

गंभीर ने द्रविड़, लक्ष्मण और अगरकर को किया टी20 वर्ल्ड कप का खिताब समर्पित, जय शाह को कहा शुक्रिया

भारतीय टीम ने रविवार (9 मार्च) को न्यूजीलैंड को हारकर तीसरी बार खिताब जीता। इसके बाद कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व कोच राहुल द्रविड़, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (क्र्ष्टष्ट्ढ) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्वश्व) के अध्यक्ष वीवीएस लक्ष्मण और मुख्य चयनकर्ता अजीत

अगरकर को यह खिताब समर्पित किया। उन्होंने बीसीसीआई के पूर्व सचिव और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ढ्ढष्ट) के मुखिया जय शाह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब उनका खराब समय आया जय शाह ने उनसे बात की। गंभीर ने यह भी कहा कि वह केवल ड्रेसिंग रूम में मौजूद लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। सोशल मीडिया पर मौजूद लोगों के लिए नहीं हैं। गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है। मेरी जवाबदेही उस ड्रेसिंग रूम में मौजूद उन 30 लोगों के लिए है। एक कोच उतना ही अच्छा होता है जितनी उसकी टीम। खिलाड़ियों ने मुझे ऐसा कोच बनाया है जो आज मै हूं।'

गंभीर ने क्या कहा?

गंभीर ने द्रविड़, लक्ष्मण और अगरकर को लेकर कहा, 'मैं यह ट्रॉफी राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करूंगा। राहुल भाई को भारतीय टीम को एक जगह पर लाने के लिए और लक्ष्मण को सीओई में पाइपलाइन बनाने के लिए। अजीत अगरकर ने बहुत आलोचना झेली और बहुत ईमानदारी से काम किया और जय भाई को। जब मैं अपने कार्यकाल के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा था। मैं न्यूजीलैंड और फिर साउथ अफ्रीका से (2024 और 2025 में घरेलू टेस्ट सीरीज में हार) हार गया था तो उन्होंने मुझे फोन किया।'

निजी उपलब्धियों का जश्न मनाना छोड़ें

गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की तारीफ करते हुए कहा, 'सूर्या ने मेरा काम आसान कर दिया। बड़ा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है, उपलब्धियां नहीं । हमने कई साल तक उपलब्धियों का जश्न मनाया। मैं आप लोगों से आग्रह करूंगा कि निजी उपलब्धियों का जश्न मनाना छोड़ें।'

सूर्या ने कप जीतने के बाद रिटायरमेंट पर दिया जवाब

कप्तान ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप जीतते हुए इतिहास रचा है। वह भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले तीसरे कप्तान बने। उन्होंने अपने पहले वर्ल्ड कप में ही बतौर कप्तान विश्व विजेता बनते हुए एमएस धोनी की बराबरी की और रोहित शर्मा से भी आगे निकले। वहीं फाइनल मुकाबले के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने रिटायरमेंट को लेकर भी जवाब दिया है। गौरतलब है कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ने संन्यास लिया था और नई टीम तैयार हुई थी। अब सूर्या ने अपने संन्यास से जुड़ी अटकलों पर सीधा-सपाट जवाब दिया है। साथ ही उन्होंने अपने आगे के प्लान को भी बताया है।

सूर्यकुमार यादव ने माथे पर लगाई पिच की मिट्टी– सूर्यकुमार यादव ने फाइनल में जीत के बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच की मिट्टी को माथे से लगाया और फिर अपने हाथ को चूमा। इससे पहले टी20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत के बाद कप्तान रोहित शर्मा को बारबाडोस की मिट्टी को खाते देखा गया था। अब सूर्या ने भी मिलता-जुलता एक्शन दिखाया।

या बोले कप्तान सूर्यकुमार यादव?

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने संन्यास से जुड़े सवाल पर हंसते हुए कहा, 'भाई क्यों रिटायरमेंट के बारे में सोचना है। सबकुछ ठीक तो चल रहा है।' वहीं इस दौरान उन्होंने अपने आगे के प्लान और फोकस पर भी बात की। कप्तान सूर्या ने साफ कर दिया कि आगे अब उनकी नजरें सबसे जरूरी ओलंपिक मेडल पर हैं। साथ ही टी20 वर्ल्ड कप 2028 के ऊपर भी उनकी निगाहे हैं।

राष्ट्र के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण, महिला दिवस के अवसर पर गुमनाम नायिकाओं का समान एक उल्लेखनीय पहलः राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर में आयोजित आज की नारी अवार्ड एंड कॉनक्लेव में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर कला, साहित्य, युवा कल्याण, राजनीति, शिक्षा, उद्यम, फ़िल्म, लोक कला, महिला उत्थान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया। उन्होंने सभी महिलाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महिला दिवस के अवसर पर गुमनाम नायिकाओं का सम्मान एक उल्लेखनीय पहल है। उन्होंने बताया की आज लोक भवन में भी उनके द्वारा समाज की अंतिम पंक्ति की गुमनाम नायिकाओं का सम्मान किया गया जो अपने अथक परिश्रम और समर्पण से देश के विकास में योगदान दे रही हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता , सफाई कर्मचारी , के रूप में कार्य कर रही महिलाओं का सम्मान करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना सृष्टि अधूरी है। माँ ,बहन ,पत्नी और बेटी की भूमिका में महिलायें परिवार को जोड़कर रखती हैं। महिलाओं के अंदर परिवार को अनुशासन में रखने की अद्भुत क्षमता होती है। सबसे महत्वपूर्ण योगदान माँ का होता है ।बच्चों के लिए माताओं का त्याग और बलिदान अमूल्य है। माताएं अपना पूरा जीवन अपनी संतान के भले के लिए न्योछावर कर देती है। इसलिए हमें अपने बुजुर्ग माता पिता के साथ ज़्यादा से ज़्यादा समय बिताना चाहिए।

उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं ने अपनी सशक्त उपस्थिति हर क्षेत्र में दर्ज कराई है चाहे डिफेंस सेक्टर हो ,अंतरिक्ष के कठिन मिशन हों या शिक्षा ,स्वास्थ्य,खेल ,राजनीति के क्षेत्र हों हर तरफ़ महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग के परिणामों का ज़िक्र करते हुए कहा कि उन्हें देखकर गर्व होता है कि प्रशासनिक सेवा में लगातार महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है। आज की नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की एक सशक्त शक्ति बनकर उभरी है। शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, खेल, उद्यमिता और सामाजिक सेवा जैसे हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया है। छत्तीसगढ़ की धरती भी महिला शक्ति की प्रेरणादायक कहानियों से समृद्ध है। यहाँ की महिलाएँ अपने साहस, परिश्रम और आत्मविश्वास से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बना चटौद

'लखपति ग्राम' के रूप में मिली नई पहचान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धमतरी जिले के विकासखंड कुरूद अंतर्गत ग्राम पंचायत चटौद ने महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के प्रभावी क्रियान्वयन और महिलाओं की मेहनत से यह गांव आज 'लखपति ग्राम' के रूप में उभरकर सामने आया है।

आरसेटी द्वारा किए गए सर्वेक्षण और डिजिटल आजीविका रजिस्टर के आंकड़ों के अनुसार गांव के स्व-सहायता समूहों से जुड़ी 220 महिलाओं की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक दर्ज की गई है। इस उपलब्धि का थर्ड पार्टी वेरिफिकेशन भी कराया गया, जिसके बाद चटौद को आधिकारिक रूप से 'लखपति ग्राम' के रूप में मान्यता मिली।

बिहान मिशन के तहत महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उद्यमिता, कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। प्रशिक्षण, वित्तीय साक्षरता और योजनाओं के मार्गदर्शन से महिलाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित हुई।

गांव की महिलाएं अब कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन और कृषि आधारित लघु उद्योगों से भी जुड़ी हैं। इसके अलावा चटौद स्थित गणेशा फायरवर्क्स इकाई में लगभग 100 महिलाओं को रोजगार मिला है, जहां वे पर्यावरण अनुकूल ग्रीन फायरवर्क्स का निर्माण कर रही हैं। महिलाओं को एंटरप्राइज लोन और सामुदायिक निवेश कोष जैसी सुविधाओं से भी सहायता मिली है। आज चटौद की ÷लखपति दीदियाँ÷ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बन गई हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र भैरमगढ़ के अंकित सकनी ने रचा इतिहास

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण होने पर विभाग द्वारा आगे की पढ़ाई के लिए दी गई थी एक लाख रुपए की सहायता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र भैरमगढ़ के निवासी अंकित सकनी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 816वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने परिश्रम, धैर्य और संकल्प के बल पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, मंत्री श्री रामविचार नेताम और विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने अंकित के इस सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री बोरा ने चर्चा के दौरान बताया कि 24 वर्षीय अंकित सकनी का जन्म 04 जुलाई 2001 को ग्राम गुडमा, तहसील कुतु, जिला बीजापुर में हुआ। उनके पिता का नाम चंद्रिया सकनी तथा माता का नाम जमुना सकनी है। प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिर भैरमगढ़ में कक्षा 1 से 5 तक प्राप्त की। इसके बाद कक्षा 6 से 8 तक अलोंस पब्लिक स्कूल तथा कक्षा 9 से 12 तक कृष्णा पब्लिक स्कूल रायपुर में अध्ययन किया, जहां उनका चयन विभाग की जवाहर उत्कर्ष योजना के अंतर्गत हुआ था। आगे की पढ़ाई उन्होंने भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बीटेक (2018-2022) के रूप में पूरी की।

स्नातक के बाद वर्ष 2022 से अंकित लगातार यूपीएससी की तैयारी में जुटे रहे। उन्हें यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विभाग द्वारा उन्हें एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई थी। इस आर्थिक सहयोग ने उन्हें मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी में महत्वपूर्ण सहायता दी, जिसका परिणाम अब अंतिम चयन के रूप में सामने आया है। अंकित सकनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के संघर्ष और सहयोग को दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर बीजापुर के विधायक श्री विक्रम मंडावी ने उन्हें सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने अंकित सकनी को इस ऐतिहासिक सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि विभाग की योजनाएं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अंकित सकनी की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे बस्तर क्षेत्र और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन गई है। इसी तरह धमतरी निवासी श्री डायमंड सिंह ध्रुव को भी यूपीएससी की परीक्षा में बड़ी सफलता मिली हैं। श्री डायमंड सिंह ध्रुव वर्तमान में छत्तीसगढ़ शासन में डीएसपी के पद पर पदस्थ है। वे आदिम जाति विकास विभाग के जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत 6वीं से 12वीं तक वर्ष 2010 से 2017 तक रेडियड पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है।

मां की लगन और आंगनबाड़ी की मेहनत रंग लाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्राम तोयनार की दो वर्षीय बालिका श्रृष्टि कुड़ियम आज स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ा रही है। एक समय गंभीर कुपोषण की श्रेणी में आने वाली श्रृष्टि को अब सामान्य श्रेणी में लाने में सफलता मिली है। यह बदलाव आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सतत प्रयास, स्वास्थ्य विभाग की निगरानी और माता मालती कुड़ियम की जागरूकता का परिणाम है। श्रृष्टि को कुपोषित पाए जाने के बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने नियमित रूप से उसके घर जाकर माता को पौष्टिक आहार, स्वच्छता और बच्चों की देखभाल के संबंध में समझाइश दी। गृह भेंट के दौरान संतुलित भोजन, साफ-सफाई और बच्चों को समय पर पोषण देने की जानकारी दी गई, जिससे परिवार में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ी।

बेहतर उपचार के लिए श्रृष्टि को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) बीजापुर में भर्ती कराया गया, जहां 14 दिनों तक चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में उसका उपचार किया गया। इस दौरान माता को भी बच्चों के लिए संतुलित आहार तैयार करने और सही पोषण देने की विधि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

एनआरसी से लौटने के बाद माता मालती कुड़ियम ने स्वास्थ्य कर्मियों की सलाह का पालन करते हुए बच्ची को नियमित रूप से हरी सब्जियां, भाजी, मौसमी फल और संतुलित भोजन देना शुरू किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा समय-समय पर श्रृष्टि का वजन और ऊंचाई मापकर उसकी निगरानी भी की जाती रही। निरंतर देखभाल और उचित पोषण के परिणामस्वरूप श्रृष्टि के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ और उसे गंभीर कुपोषण की श्रेणी से निकालकर सामान्य श्रेणी में शामिल करने में सफलता मिली।

महतारी वंदन योजना से सिलाई सेंटर खोला

स्वरोजगार के साथ अन्य महिलाओं को दे रहीं प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना से प्राप्त राशि का सदुपयोग कर महिलाएं स्वरोजगार के नए अवसर तैयार कर रही हैं। इसी क्रम में सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम भेड़वन की निवासी रजनी पटेल ने महतारी वंदन योजना की राशि और अपने हुनर का उपयोग कर गांव में सिलाई सेंटर की शुरुआत की है। रजनी पटेल ने योजना से मिली आर्थिक सहायता से सिलाई मशीन खरीदी और अपने गांव में सिलाई सेंटर संचालित करना शुरू किया। वे स्वयं कपड़ों की सिलाई का कार्य कर रही हैं और साथ ही गांव की अन्य महिलाओं को भी सिलाई का प्रशिक्षण दे रही हैं। इससे उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे वे अपने परिवार के पालन-पोषण में सहयोग कर रही हैं। रजनी पटेल बताती हैं कि इस कार्य से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। सिलाई सेंटर के माध्यम से वे न केवल अपनी आजीविका चला रही हैं, बल्कि अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी रोजगार से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान रजनी पटेल ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से महिलाओं को आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिल रही है।

एक हजार की बचत से बदली किस्मतः निर्जला ने खरीदी रीपर मशीन, अब बन रहीं आत्मनिर्भरं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छोटे-छोटे प्रयास और मजबूत इरादे बड़े बदलाव की कहानी लिख देते हैं। कोरिया जिले के ग्राम कसरा की रहने वाली 37 वर्षीय श्रीमती निर्जला साहू ने भी कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। दो बेटों की मां और स्नातकोत्तर शिक्षित निर्जला ने छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी श्महतारी वंदन योजनाश् से मिलने वाली हर माह की एक हजार रुपये की राशि को बचाकर अपनी आर्थिक स्थिति बदलने की शुरुआत की। निर्जला बताती हैं कि उन्होंने पूरे साल की 12 हजार रुपये की राशि बचाई और बैंक से 80 हजार रुपये ऋण लेकर रीपर मशीन खरीद ली। यह मशीन धान और गेहूं की कटाई में काम आती है। अब वह इस मशीन को किसानों को प्रति घंटे 600 रुपये किराए पर देती हैं।

मौसम के दौरान कई बार एक दिन में 4 से 5 घंटे तक मशीन चलती है, जिससे उन्हें दो से तीन हजार रुपये तक की कमाई हो जाती है। एक माह में उन्होंने करीब 36 हजार रुपये से अधिक की आय अर्जित की, जबकि एक सीजन में लगभग 65 हजार रुपये तक का लाभ प्राप्त हुआ। निर्जला ने बताया कि महतारी वंदन योजना के दूसरे वर्ष की 12 हजार रुपये की राशि भी उन्होंने बैंक में जमा कर ली है। बैंक से लिए गए ऋण की करीब 4 हजार रुपये की मासिक किस्त भी वह नियमित रूप से चुका रही हैं। परिवार का साथ भी उनकी सफलता की बड़ी ताकत है। उनके पति, सास और ससुर उन्हें हर कदम पर सहयोग देते हैं। उनका बड़ा बेटा जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 8वीं में पढ़ रहा है, जबकि छोटा बेटा स्वामी आत्मानंद स्कूल में कक्षा 4वीं का छात्र है। निर्जला कहती हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल से शुरू हुई महतारी वंदन योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दे रही है। उनका मानना है कि लोग अक्सर कहते हैं कि एक हजार रुपये से क्या होगा, लेकिन अगर बचत की सोच और आगे बढ़ने का जज्बा हो तो यही छोटी पूंजी बड़े सपनों को साकार कर सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को मिली आत्मनिर्भरता की राह

लखपति दीदी पहल के अंतर्गत 04 महिलाओं को ई-रिक्शा वितरित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोंडागांव जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लखपति दीदी पहल के अंतर्गत चार महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान किया गया। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने रविवार को मोर सुआद में जिले की चार महिलाओं को ई-रिक्शा वितरित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा भी उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक उसेंडी एवं कलेक्टर पन्ना ने सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पहल से महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर मिलेगा और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

दीदी ई-रिक्शा योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत हितग्राहियों को ई-रिक्शा प्रदान किया गया। इनमें ग्राम सातगांव की मेहन्दी बाई पाण्डे, ग्राम पंचायत दुधगांव चिखलपुटी की बुका कश्यप और सोमारी बाई तथा ग्राम संबलपुर निवासी मीना पटेल शामिल हैं।

मनरेगा से महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई राह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अहम भूमिका निभा रही है। मुंगेली जिले में इस योजना के तहत महिलाओं को रोजगार, कौशल विकास और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाएं परिवार की आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक रूप से भी सशक्त बन रही हैं। जिले में मनरेगा के तहत अब तक 98 हजार 512 से अधिक महिलाओं को रोजगार मिला है। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 69 हजार 927 महिलाओं को 19.56 लाख मानव दिवस का रोजगार प्रदान किया गया है। इससे प्रत्येक महिला को औसतन 7 हजार रुपये से अधिक की आय प्राप्त हुई है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए मनरेगा के तहत आजीविका डबरी का निर्माण कराया जा रहा है। इन डबरियों के माध्यम से महिलाएं मछली पालन, सब्जी उत्पादन और कृषि कार्य कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। इसके साथ ही प्रोजेक्ट उन्नति के तहत श्रमिकों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से 13 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित कर 35 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को कृषि सखी के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

मनरेगा कार्यों के संचालन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मेट पदों पर भी उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। जिले में अब तक 1,117 महिलाओं का चयन मेट के रूप में किया गया है, जो विभिन्न कार्यस्थलों पर श्रमिकों के समन्वय और कार्य संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा इच्छुक महिलाओं को डबरी, पशु शेड, बकरी शेड और सूकर शेड जैसे हितग्राही मूलक कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है। इन पहलों से ग्रामीण महिलाओं को स्थायी आजीविका के साधन मिल रहे हैं और वे आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

महतारी वंदन महिला सशक्तिकरण के हमारे प्रयासों का प्रतीकः उप मुयमंत्री

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उपमुख्यमंत्री कवर्धा में जिलास्तरीय महतारी वंदन कार्यक्रम में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महतारी वंदन योजना की 25 वीं किश्त की राशि बस्तर में आयोजित कार्यक्रम से जारी की। इस अवसर पर कवर्धा के वीर सावरकर भवन में महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं सांसद संतोष पाण्डेय भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुषमा बघेल, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, डॉ वीरेन्द्र साहू, सभापति सुष्मिता पटेल, नितेश अग्रवाल, विजय पटेल, मनीराम, मधु तिवारी, सुषमा चंद्रवंशी, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विश्व महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सिर्फ आज ही नहीं हर दिन महिला दिवस है। समाज में जब भी कुछ सकारात्मक बदलाव लाना होता है इसकी शुरुआत महिलाओं से होती है।

पुरातन काल और हजारों वर्षों से यह हमारी परम्परा है, जहां माताओं का स्थान समाज में सर्वोच्च है। हमारे देश में माताएं देवियों के रूप में पूजित हैं। आदि शंकराचार्य ने जब मंडन मिश्रा से शास्त्रार्थ किया था तो निर्णायक की भूमिका भी एक विदुषी महिला उभय भारती जो कि मंडन मिश्रा की पत्नी थी, उन्होंने निभाई थी। भारत में परिवर्तन के लिए महिला शक्ति को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। महिलाओं को स्व रोजगार, उद्यमिता और सहकारिता से जोड़ते हुए लखपति दीदी के रूप आगे बढ़ाया जा रहा है। महतारी वंदन पूरे प्रदेश में सबसे बड़ी योजना है। महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हर माह 1 हजार रुपए की राशि महिलाओं को मिल रही है। आज योजना की 25 वीं किश्त जारी हो रही है। यह राशि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। महिलाएं स्व रोजगार और उद्यमिता को अपनाकर आय अर्जित कर रही हैं। जिससे वे अपने बच्चों और घर परिवार से जुड़े आर्थिक जरूरतों की पूर्ति खुद करने में सक्षम हो रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं के हाथ में योजना की राशि मिले और वे स्वयं अपने खाते से राशि निकाल सकें, इसके लिए हर पंचायत में अटल डिजिटल केंद्र खोल जा रहे हैं। जिससे महिलाओं को दूर शहरों में बैंक या सोसायटी तक जाना न पड़े। महिला स्व सहायता समूहों के लिए महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है, यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए ही होगा। इसका निर्माण क्लस्टर लेवल फेडरेशन स्तर पर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सदन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। यह नीति निर्धारण में महिलाओं की सहभागिता को बढ़ाएगा।

राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे ने अपने सम्बोधन में कहा कि महिला एक परिवार ही नहीं बल्कि पूरे समाज और देश की नींव तैयार करती है। माँ के रूप में महिला शक्ति अपने संतान को जो शिक्षा और सीख देती है वैसा ही उसका विकास होता है। जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है, जिससे महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक जीवन स्तर को और बेहतर बनाया जा सके। महतारी वंदन की राशि देने का वायदा किया था। सरकार बनने के बाद यह राशि जारी करने की शुरुआत की गई अब तक 25 किश्त जारी की जा चुकी है।

उल्लेखनीय है कि कबीरधाम जिले की 2.48 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना से अब तक 24 किश्तों में 563.49 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा